सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 192 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 26 अप्रैल 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर आईएएस अफसरों का तबादला, 26 अधिकारियों का ट्रांसफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के 26 अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव किया गया है। पूर्व में ही ऐसे संकेत मिल रहे थे कि छत्तीसगढ़ में बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव हो सकता है। मंगलवार शाम शासन ने नई पदस्थापना के आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों को इस प्रकार नई जिम्मेदारी दी गई है।

रेणु जी पिल्ले अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग को अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग एवं महानिदेशक छग प्रशासन के अकादमिक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रसन्ना आर सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा विभाग को केवल सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। अलरमेलमंगई डी प्रभा.प्र से सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार अध्यक्ष, पेंशन निराकरण समिति का अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है।

अंकित आनंद, प्रभा.प्र से सचिव ऊर्जा विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार अध्यक्ष छग राज्य विद्युत कंपनी, सचिव मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, वित्त विभाग तथा अध्यक्ष, पेंशन निराकरण समिति का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पी. दयानंद प्रभा.प्र से संचालक, आयुष को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। सीआर प्रसन्ना, प्रभा.प्र से सचिव, कौशल विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभारआयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पंत आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर पदस्थ किया गया है।

सुश्री शम्मी आबिदी, प्रभा.प्र से आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास तथा अति. प्रभार प्रबंध संचालक, अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम एवं संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, आयुक्त वक्फसर्वे को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ साथ सचिव, कौशल विकास विभाग का अतिरिक्त प्रसार सौंपा गया है। मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, प्रभा.प्र से सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अति. प्रभार आयुक्त, महात्मा गांधी नरेगा रायपुर विशेष्रूा कर्तव्यस्थ अधिकारी, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत सचि, छग राज्य निर्वाचन आयोग के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

मोहम्मद कैसर अब्दुलहक द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से राज्य शासन, भारतीय प्रशासनिक सेवा नियम, 2016 के नियम-12 के तहत सचिव छग राज्य निर्वाचन आयोग के असंवर्गीय पद को प्रतिष्ठा एवं जिम्मेदारी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिसमय वेतनमान के संवर्गीय पद के समकक्ष घोष्रूित करता है। जनक प्रसाद पाठक, प्रभा.प्र से विशेष सचि, वन विभाग तथा अति. प्रभार विशेष सचिव , आवास एवं पर्यावरण विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत विशेष सचिव स्वतंत्र प्रभार आवास एवं पर्यावरण विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है।

नरेंद्र दुग्गा प्रभा.प्र से मिशन संचालक, समग्र शिक्षा तथा अति. प्रभार रजिस्ट्रार को ऑपरेटि सोयायटी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत कलेक्टर, जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। डॉ. तब्बाली अय्याज फक़ीरभाई प्रभा.प्र से विशेष सचिव कृषि विभाग तथा अति. प्रभार नोडल अधिकारी, नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी एवं छग गोधन न्याय योजना, प्रभारी अधिकारी, माटी पूजन अभियान सदस्य सचिव, नरवा मिशन, विशेष सचिव स्वतंत्र प्रभार नगरीय प्रशासन एवं विकास का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

रमेश कुमार शर्मा प्रभा.प्र से संचालक, समाज कल्याण तथा अति. प्रभार संचालक, भू अभिलेख संचालक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, संचालक धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ साथ रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। चंदन कुमार प्रभा.प्र से कलेक्टर जिला बस्तर को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार भाटापारा के पद पर पदस्थ किया गया है। रिमिजियुस एक्का, प्रभा.प्र से सचिव, छग राज्य निर्वाचन आयोग का अति. प्रभार संयुक्त सचिव, नगरीय प्रशासन विभाग, संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यंत कलेक्टर जिला बलरामपुर रामानुजगंज के पद पर पदस्थ किया गया है। रजत बंसल कलेक्टर बलौदा बाजार-भाटापारा को आयुक्त माहात्मा गांधी नरेगा के पद पर पदस्थ किया गया है।

सुश्री इफ्फत आरा कलेक्टर सुरजपुर को प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा के पद पर पदस्थ करते हुए मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। संजय अग्रवाल संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को कलेक्टर सुरजपुर बनाया गया है। दिव्य उमेंश मिश्रा संचालक महिला एवं बाल विकास को वर्तमान कर्तव्यों के साथ साथ मिशन संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य कौशल विकास अभिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुश्री नम्रता गांधी संचालक पेंशन को संचालक आयुष के पद के साथ संचालक पेंशन का अतिरक्त प्रभार सौपा गया है। जगदीश सोनकर कलेक्टर खैरागढ़ छुईखदान गंडई को संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। पी एस ध्रुव कलेक्टर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर को संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। विजय दयाराम के. कलेक्टर बलरामपुर राजानुजगंज को कलेक्टर बस्तर बनाया गया है। जयश्री जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बिलासपुर को उप सचिव लोक निर्माण विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए उप सचिव विमान विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

गोपाल वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बलौदाबाजार भाठापारा को कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के पद पर पदस्थ किया गया है। सुश्री नम्रता जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बलौदाबाजार भाठापारा के पद पर पदस्थ किया गया है। विश्वदीप मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा के पद पर पदस्थ किया गया है।

खास-खबर

केपीएस प्रबंधन की बड़ी लापरवाही स्कूल से तीन साल की मासूम लापता, एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

रायपुर। रायपुर में कृष्णा किड्स एकेडमी टाटीबंध के बाद अब केपीएस किड्स की सड्डू ब्रांच में बच्चों के साथ लापरवाही का मामला आया है। स्कूल के दौरान ही तीन साल की बच्ची स्कूल से बाहर निकल गई। बाहर कुछ लोगों ने बच्ची को देखा और वॉट्सएप ग्रुप के जरिये बच्ची की गुमशुदगी की जानकारी दी। ग्रुप में बच्ची की फोटो देख माता-पिता घबरा गए, क्योंकि वह तो निश्चिंत थे कि उनकी बच्ची स्कूल में है।

सूचना के बाद एनएसयूआई ने ऐसे स्कूलों के खिलाफ फिर से मोर्चा खोल दी है। एनएसयूआई का कहना है ऐसे स्कूल को सबक सिखाने और इन स्कूलों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करवाने का काम अब एनएसयूआई करेगी। विरोध में केपीएस स्कूल सरोना में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ता। लगातार हो रही केपीएस स्कूल के मनमानी और लापरवाही के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया गया। शिक्षक और एनएसयूआई आपस में भिड़ गए और डायरेक्टर के नहीं मिलने पर एनएसयूआई के कार्यकर्ता घंटों डटे रहे और हंगामा करते रहे।

प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल ने बताया मोटी फीस लेने के बाद भी बच्चों की सुरक्षा के दृष्टि में केपीएस किड्स सड्डू में न बाउंड्रीवाल, फाटक, ना गार्ड, न सीसीटीवी है। ऐसे में केपीएस के सभी स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था और सरकार के नियमों का पालन करने को कहा गया है। अगर ऐसा नहीं होता है तो रायपुर के सभी केपीएस पर एनएसयूआई पहुंचेगी और तालाबंदी करेगी।

सुकमा में एक लाख के इनामी नक्सली ने किया समर्पण, सरकार पुनर्वास नीति के तहत करेगी मदद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक लाख के इनामी नक्सली ने पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली की पहचान कवासी देवा के रूप में हुई। छत्तीसगढ़ पुलिस के मुताबिक छत्तीसगढ़ शासन की समर्पण एवं पुनर्वास नीति के अनुसार उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

राजधानी के कटोरा तालाब इलाके में स्वर्गीय सतपथी की प्रतिमा का किया अनावरण

मुख्यमंत्री बघेल ने पूर्व विधायक स्व. लक्ष्मण सतपथी के प्रेरक व्यक्तित्व को किया चिरस्थायी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज पूर्व विधायक स्वर्गीय लक्ष्मण सतपथी की प्रतिमा का कटोरा तालाब में अनावरण किया। उन्होंने स्वर्गीय श्री सतपथी के व्यक्तित्व को आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। सीएम बघेल ने कहा की लक्ष्मण जी की दबंग और आम जनों के हित के लिए सत्य निष्ठा से काम करने की कार्यशैली लोगों के मन मस्तिष्क में चिरस्थायी है। उनके द्वारा बच्चों की शिक्षा के लिए किए गए काम आज भी प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि स्व. लक्ष्मण सतपथी दो बार बसना क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए थे। उनका जन्म 1937 में हुआ। उनके पिता पंडित जयदेव सतपथी और माता श्रीमती जशोंती देवी थीं। स्व. लक्ष्मण सतपथी ने कोंडागाँव, धमतरी, बेमेतरा, सरायपाली में शिक्षक के रूप में सेवाएँ दी। वें एक योग्य क्रीड़ा प्रशिक्षक के साथ बास्केटबॉल खेल के राष्ट्रीय निर्णायक भी रहे। रायपुर में शिक्षक रहते आपने एलएलबी की पढ़ाई भी की और प्रखर अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। स्व. सतपथी पहली बार 1972 और दूसरी बार 1977-78 में बसना क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गये। शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने फुलझर सेवा समिति सरायपाली की कमान संभाली। आपका देहावसान 6 जून 2016 को हुआ।

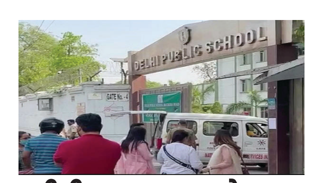

डीपीएस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से आया मैसेज, बम स्क्वायड की टीम मौके पर, जांच जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली से बड़ी खबर है। दिल्ली में मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली है। दिल्ली फायर सर्विस का कहना है कि जांच चल रही है। मौके पर दिल्ली पुलिस समेत अन्य टीम मौजूद हैं। जानकारी के अनुसार, डीपीएस मथुरा रोड में बम की कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल से बम रखे होने की जानकारी दी गई है। स्कूल प्रशासन की ओर से 8:10 पर पीसीआर कॉल के जरिए स्कूल में बम होने की जानकारी दी गई। जिसके बाद पुलिस टीम को मौके पर पहुंची। दिल्ली के साउथ ईस्ट डीसीपी राजेश देव ने कहा कि सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की बम डिस्पोजल टीम और लोकल पुलिस को तैनात किया गया है। फ्लिहाल कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है। जांच जारी है।

सवा लाख से अधिक का ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार, सब्जी बेचने की आड़ में करता था सप्लाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नशे के अवैध सौदागरों के खिलाफ दुर्ग पुलिस का हारेगा नशा जीतेगा दुर्ग अभियान के तहत थाना मोहन नगर क्षेत्र से 114 पुड़िया ब्राउन शुगर जप्त की गई है जिसकी कीमत 1 लाख 27 हज़ार 80 रुपए बताई गई है। पुलिस द्वारा एक ड्रग पेडलर को भी गिरफ्तार किया गया है। सब्जी बेचने के आड़ में ब्राउन शुगर सप्लाई को जरिया बना लिया था । दुर्ग सिविल टीम एवं थाना मोहन नगर की संयुक्त कार्यवाही से आरोपी की गिरफ्तारी हुई है।

नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग बैंकर वैभव रमणलाल ने बताया कि हारेगा नशा जीतेगा दुर्ग अभियान के तहत नशे के कारोबारी पर दुर्ग पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी। थाना प्रभारी मोहन नगर निरीक्षक विपिन रंगारी के नेतृत्व में दुर्ग सिविल टीन, थाना मोहन नगर की एक संयुक्त टीम गठित कर टीम को कार्यवाही हेतु लगाया गया था। इसी तारतम्य में कल सिविल टीम को विशेष सूत्रों से पता चला कि नया गंज मंडी धमधा नाका के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में मादक पदार्थ ब्राउन शुगर अपने पास रखा है और उसे बेच रहा है। सूचना मिलने पर थाना मोहन नगर एवं दुर्ग सिविल टीम द्वारा नया गंजमंडी के पास घेराबंदी कर आरोपी ढालेश्वर साहू उर्फ चोपी पिता भरत साहू निवासी दुर्गा चौक शंकर नगर दुर्ग को पकड़ा।

आरोपी के कब्जे से कुल 114 नग ब्राउन शुगर की पुडिया बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध मौके पर 181/2023 धारा 21क, 27 का एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही थाना मोहन नगर द्वारा की गई।

फिर बढ़े कोरोना के मामले, कल के मुकाबले आज 44 फीसदी का इजाफा, सक्रिय मरीज 61 हजार के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के नए मामलों में बुधवार को एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार के मुकाबले आज नए मामलों में 44 फीसदी का इजाफ हुआ है। हालांकि, सक्रिय मामलों की संख्या में गिरावट जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को बीते 24 घंटे में नौ हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। बुधवार को 9,629 नए मामले दर्ज किए गए जबकि यह आंकड़ा मंगलवार को 6,660 था। वहीं, सक्रिय मामले घटकर 61,013 रह गए हैं, जो मंगलवार को 63,380 था।

सरकारी आंकड़ों में कहा गया है कि बुधवार को 29 मौतों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,398 हो गई है। बता दें, कोरोना सबसे ज्यादा केरल को प्रभावित कर रहा है। केरल में 10 मौतें हुई हैं। वहीं, महामारी से ठीक होने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। 4,43,23, 045 लोगों ने कोरोना महामारी से जंग जीत ली है। वहीं, मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत, जबकि रिकवरी दर 98.68 प्रतिशत दर्ज की गई।

220 करोड़ टीके लगाए गए

दैनिक सकारात्मकता दर 5.38 प्रतिशत और साप्ताहिक सकारात्मकता दर 5.61 प्रतिशत दर्ज की गई है। कोरोना मामले की कुल संख्या 4.49 करोड़ दर्ज की गई है। मंत्रालय ने कहा कि सक्रिय मामले अब कुल संक्रमणों का मात्र 0.14 प्रतिशत रह गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.66 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

अल्पायु में इतिहास रचने वाले दिग्विजय

श्रीकंचनपथ

स्वामी विवेकानंद को आज दुनिया याद करती है। उन्होंने 39 वर्ष की अल्पायु में ही दुनिया को अलविदा कह दिया था। कुछ ऐसे ही थे राजनांदगांव रियासत के अंतिम शासक राज महंत दिग्विजय दास वैष्णव। उन्होंने 25 वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। पर इससे पहले वह इतना कुछ कर गए कि राजनांदगांव जिला आज भी उनका ऋणी है। राजा दिग्विजय ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता के एक पब्लिक स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद दार्जीलिंग और रायपुर के राजकुमार कालेज से अपनी शिक्षा पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए वे इंग्लैंड गए। जब लौटे तो उनकी आंखों में जनता को सुशिक्षित करने का सपना था। उद्योग लगाकर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का जज्बा था। खेलकूद को बढ़ावा देकर अवाम में सकारात्मक ऊर्जा भरने का संकल्प था। उन्होंने अपना महल और 1800 एकड़ भूमि उच्च शिक्षा के लिए दान कर दी। अपने निजी पुस्तकालय का एक हिस्सा भी महाविद्यालय को दे दिया। आज भी दिग्विजय महाविद्यालय की गिनती अंचल के श्रेष्ठ महाविद्यालयों में होती है। अपने पिता राजा सर्वेश्वरदयाल के नाम पर उन्होंने एक हाईस्कूल भी खोला जिसकी गिनती शहर के प्रमुख स्कूलों में होती है। खेलकूद के विकास के लिए उन्होंने स्टेडियम के लिए जमीन दान कर दी। उन्होंने लालबाग क्लब की स्थापना की और अखिल भारतीय हॉकी संघ के संस्थापक अध्यक्ष बने। यहां ऑल इंडिया हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जिसमें हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद भी पहुंचे। राजनांदगांव का हाकी स्टेडियम उनके ही नाम पर है। उन्होंने राजनांदगांव में पहला कारखाना बंगाल-नागपुर कॉटन मिल स्थापित किया। यहां बनी मच्छरदानियां पूरे विश्व में प्रसिद्ध थीं। इसमें 4000 लोगों को रोजगार मिला हुआ था। 25 अप्रैल को उनकी जयंती थी जो इक्का दुक्का श्रद्धांजलि सभाओं तक सिमट कर रह गई। हम बस इतना ही प्यार करते हैं उनसे जो हमारे लिए अपना सबकुछ लुटा कर चले जाते हैं। शेष छत्तीसगढ़ को छोड़ भी दें तो खुद राजनांदगांव के अधिकांश लोग इससे अनभिज्ञ हैं। यह कोई बहुत पुरानी बात भी नहीं है। राजा दिग्विजय सिंह का जन्म 1933 में 25 अप्रैल को हुआ और 22 जनवरी 1958 को उनका देहांत हो गया। 90 साल का इतिहास हमें याद नहीं और बहस सैकड़ों साल के इतिहास पर करते हैं। यही देश की सबसे बड़ी विडम्बना है। अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने कभी भी इतिहास शिक्षण पर जोर नहीं दिया। इससे उन्हें कोई मतलब भी नहीं था।

जिस कौम को अपना इतिहास याद होता है उसमें राष्ट्रभक्ति की भावना भी देर सबेर जाग ही जाती है। आजादी के बाद देश तेजी से साथ औद्योगीकरण की ओर बढ़ा और विज्ञान की शिक्षा अपने आप सर्वोच्च पायदान पर जा बैठी। इतिहास और भाषा जैसे विषय हाशिए पर चले गए। कुछ गिनती के राज्यों में ही इन दोयम दर्जे के विषयों को गंभीरता से लिया जाता है। इसीलिए जब कोई कहता है - कौआ कान ले गया तो हम उसने मारने दौड़ते हैं।

संपादकीय

विपक्षी एका का कोरस

सोमवार को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी और फिर लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद ममता व अखिलेश ने जो कुछ कहा, उसके गहरे निहितार्थ हैं। ममता ने जहां विपक्षी महागठबंधन की राह में किसी प्रकार से अहं के टकराव की आशंका को नकारा, तो वहीं सपा प्रमुख ने भी देशहित की दुहाई देते हुए विपक्षी एकता को जरूरी बताया। उधर तेलंगाना की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी कांग्रेस की सदारत में किसी राष्ट्रीय गठजोड़ में शामिल होने को लेकर अपने रुख में नरमी के संकेत दिए हैं। हालांकि, अब तक वह एक गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेसी तीसरे मोर्चे की वकालत करती रही है। बहरहाल, क्षेत्रीय दलों के इन बदले सुरों से इतना तो स्पष्ट लगता है कि किसी असरदायक तीसरे मोर्चे की संभावना क्षीण पड़ती जा रही है और यदि ऐसा हुआ, तो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और राजग के लिए यह बहुत सुखद स्थिति नहीं होगी। जाहिर है, राजग नेतृत्व इसकी काट भी तैयार कर रहा होगा। अगले आम चुनाव में अब एक साल का वक्त भी नहीं बचा है और ऐसे में स्वाभाविक ही राजनीतिक गोलबंदी तेज होती जाएगी। खासकर 13 मई को कर्नाटक विधानसभा के चुनाव-परिणाम आने के बाद राजनीतिक पार्टियों का रुख अधिक स्पष्टता से सामने आएगा। लेकिन जिस गंभीरता से नीतीश कुमार विकल्प गढ़ने के अभ्यास में जुटे हैं, उन्हें कई कठिन सवालों से जवाब भी तैयार रखने होंगे। अभी तो वह नेतृत्व के सवाल को यह कहकर टाल रहे हैं कि वह इस रेस में नहीं हैं, मगर राजनीति में उलटबांसियों का भी अपना महत्व होता है। वह इस तर्क की आड़ ले सकते हैं कि साल 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले यूपीए ने कोई चेहरा सामने नहीं किया था और अनेक दलों को समेटते हुए मनमोहन सिंह सरकार ने दस वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। मगर इस तथ्य की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि डॉ सिंह लोकसभा में सबसे बड़े दल के नेता चुने गए थे और उनके पीछे उनकी पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी रही थी। फिर पिछले एक दशक में व्यक्ति केंद्रित राजनीति की जड़ें जिस तरह से जमती गई हैं, क्या उसमें नेतृत्व के प्रश्न पर मतदाताओं को ऊहापोह में रखकर वांछित परिणाम पाया जा सकता है? विपक्षी पार्टियों को इसका माकूल जवाब ढूंढ़ना ही होगा। निस्संदेह, विपक्षी दलों के पास मुद्दों की कमी नहीं। महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय जैसे कई मुद्दे हैं, जो सीधे जन-सरोकार से जुड़े हैं और मतदाताओं के एक बड़े समूह में अपील भी रखते हैं, पर लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलने और किसानों के खाते में नगदी हस्तांतरण का श्रेय लेने से प्रधानमंत्री मोदी को वे कैसे रोक पाएंगे? विपक्षी दलों के लिए इसका तोड़ ढूंढ़ना आसान नहीं होगा। ऐसे में, उनकी कोई एकता तभी मतदाताओं के लिए आश्वस्तकारी होगी, जब वे ठोस साझा कार्यक्रम और बेदाग-विश्वसनीय चेहरे के साथ उनके बीच जाएंगे। इससे कौन इनकार करेगा कि लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए विपक्ष का मजबूत होना बहुत जरूरी होता है, लेकिन लाख टके का सवाल यही है कि क्या देश की विपक्षी पार्टियां विकल्प गढ़ने को लेकर प्रतिबद्ध हैं या वे महज तात्कालिक मजबूरी में एक-दूसरे का हाथ थामने की उत्सुकता दिखा रही हैं?

“ महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय जैसे कई मुद्दे हैं, जो सीधे जन-सरोकार से जुड़े हैं और मतदाताओं के एक बड़े समूह में अपील भी रखते हैं, पर लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलने और किसानों के खाते में नगदी हस्तांतरण का श्रेय लेने से प्रधानमंत्री मोदी को वे कैसे रोक पाएंगे? विपक्षी दलों के लिए इसका तोड़ ढूंढ़ना आसान नहीं होगा।

जात राजनीति का जवाब हैं योगी

विपक्ष की जात राजनीति का जवाब भाजपा ज्यादा बड़ी जात राजनीति से देगी या उसका जवाब ज्यादा उग्र और आक्रामक हिंदुत्व से दिया जाएगा? इस सवाल के जवाब से आगे की राजनीति की दिशा, दशा और केंद्रीय चेहरे तय होंगे। विपक्ष ने जाति को अपना हथियार बनाया है। उनका मुद्दा सामाजिक न्याय है। बिहार से शुरू हुई मंडल दो की राजनीति पूरे देश में फैलेगी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे उस रास्ते पर चल पड़े हैं। उनका मानना है कि पूरे देश में जाति आधारित जनगणना जरूरी है ताकि हर जाति को उसकी आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जा सके। आबादी के हिसाब से उसे देश के संसाधनों में हिस्सेदारी दी जाए। अगर सरकारी नौकरियां नहीं हैं या सरकारी स्कूल-कॉलेज पढ़ने लायक नहीं हैं तो निजी कंपनियों में भी आरक्षण लागू हो और निजी क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों में भी आरक्षण की व्यवस्था हो। यही विपक्ष की अगले चरण की राजनीति का मुख्य मुद्दा बनने वाला है। इसका जवाब देने के लिए भाजपा के पास दो रास्ते हैं। पहला रास्ता तो वह है, जिसका ऐलान विपक्षी पार्टियों से पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उन्होंने 2021 में जब अपनी दूसरी सरकार में पहली बार फेरबदल की तो ऐलान करके कहा कि उनकी सरकार में सबसे ज्यादा ओबीसी यानी अन्य पिछड़ी जातियों के मंत्री हैं। प्रधानमंत्री ने अपने नए मंत्रियों का जब संसद में परिचय कराया तब भी यह बात कही कि उनकी सरकार में सबसे ज्यादा ओबीसी, एससी और एसटी मंत्री बने हैं और यह बात विपक्ष को पसंद नहीं आ रही है। मोदी की दूसरी सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं और 20 एससी वह एसटी समुदाय के मंत्री हैं। जो 27 ओबीसी मंत्री हैं उनमें से 19 अति पिछड़ी जातियों के हैं। यह विपक्ष की जात राजनीति का एक जवाब है। भाजपा बार बार बताती है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछड़ी जाति से आते हैं। सो, पिछड़ी जाति के प्रधानमंत्री की सरकार में सबसे ज्यादा पिछड़ी जाति के मंत्री हैं। जरूरत पड़ने पर और भी बनाए जा सकते हैं। आरक्षण को लेकर भी भाजपा कह चुकी है कि मोदी के रहते कोई आरक्षण को हाथ भी नहीं लगा सकता है।

लेकिन जाति और आरक्षण की राजनीति को लेकर भाजपा की सीमाएं हैं। वह एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सकती है। उसके पीछे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ खड़ा है, जिसके बारे में धारणा है कि वह अगड़ी जाति के लोगों का संगठन है और आरक्षण विरोधी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार आरक्षण की समीक्षा करने की बात कही थी। इस पर बिहार में ऐसी राजनीति हुई थी कि 2015 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां साफ हो गई थीं। यह भी तय है कि भाजपा जाति आधारित जनगणना नहीं कराने जा रही है। इसका कारण यह है कि जाति जनगणना के आंकड़े हिंदू समाज को पहले से ज्यादा विभाजित करेंगे। सैकड़ों जातियां अपनी संख्या लेकर सत्ता में हिस्सेदारी की बात करेंगी। इससे हिंदुत्व का समूचा नैरेटिव फेल होगा। भाजपा अब तक व्यापक हिंदू समाज को कंसोलिडेट करने के लिए जो प्रयास कर रही थी उसका तब कोई मतलब नहीं रह जाएगा। मंदिर बनाने से लेकर 80 और 20 फीसदी तक की राजनीति का नारा राजनीतिक रूप से कारगर नहीं रह जाएगा। सो, जात राजनीति की काट में भाजपा जाति की राजनीति करके कामयाब नहीं हो सकती है। उसे ज्यादा उग्र हिंदुत्व की राजनीति करनी होगी। जाति की सीमा मिटाने वाला नैरेटिव तैयार करना होगा। और वह नैरेटिव तैयार होगा योगी आदित्यनाथ के चेहरे और उनके काम से। प्रधानमंत्री मोदी हिंदू हृद्य सम्राट हैं लेकिन उनकी छवि एक बड़े राजनेता और विकास पुरूष की भी बनाई गई है। गुजरात दंगों के बाद जो छवि वह काफी हद तक बदल गई है, जबकि योगी आदित्यनाथ की वैसी छवि बन रही है, जैसी 2002 के बाद मोदी की बनी थी। योगी कट्टर हिंदुत्व का चेहरा बन रहे हैं।

> “ लद्दाख ही नहीं, पूर्वी सेक्टर में भी उसकी आक्रामक नीति जारी है। इसी क्रम में उसने अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों के मंदारिन नाम जारी किए। सीमा विवादों को तो छोड़िए, उसकी इच्छा वास्तविक नियंत्रण रेखा को परिभाषित करने तक नहीं लगती। रिपोर्ट बता रही हैं कि लद्दाख के सेक्टर में भारत को अपने सैनिकों की संख्या बढ़ानी पड़ी है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही थीं कि चीन ने यहां अपने जवानों की तादाद बढ़ा दी है।

चीन से अठारहवीं वार्ता के बावजूद

विवेक काटजू, पूर्व राजदूत

भारत और चीन के रिश्तों में खासतौर से गलवान हादसे के बाद आई विशेष खटास अब तक दूर नहीं हो सकी है। हालांकि, दोनों पक्ष लगातार कोशिश कर रहे हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति सामान्य हो सके, इसीलिए दोनों देशों के सैन्य अधिकारी और कूटनीतिज्ञों में बातचीत का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में एक वार्ता 23 अप्रैल को कोर कमांडर लेवल की हुई है, जिसके बाद दोनों देशों ने अपने-अपने बयान जारी किए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में यह जरूर कहा गया है कि 18वें दौर की इस वार्ता में सीमा से जुड़े विवादों पर समाधान की दिशा में 'स्पष्ट' और 'गहन' चर्चा हुई है, पर विज्ञप्ति की भाषा से साफ प्रतीत होता है कि भारत अपने इस मत पर डटा रहा कि जब तक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गहन स्थिरता नहीं आ जाती, तब तक दोनों देशों के रिश्ते भी सामान्य नहीं हो सकते।

दरअसल, बीजिंग की सरकार यह चाहती है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विशेष आग्रह किए बिना भारत और चीन हर क्षेत्र में अपने संबंधों को आगे बढ़ाएं। नई दिल्ली इससे सहमत नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर कई बार यह कह चुके हैं कि दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने का एक ही रास्ता है, जो पूरी तरह से वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिरता पर निर्भर है। भारत असल में यथास्थिति की पुनर्स्थापना चाहता है। जाहिर है, दोनों देशों के नजरिये की यह खाई फिलहाल खत्म होती नहीं दिख रही, लेकिन एक नजर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक पर भी है, जो नई दिल्ली में 27 और 28 अप्रैल को आयोजित हो रही है। इसमें चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू भाग लेने वाले हैं, जिनकी भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बातचीत एससीओ मामलों के इतर हो सकती है।

बेशक, भारत और चीन, दोनों यह चाहते हैं कि इस बैठक के बाद शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक (4-5 मई, गोवा) भी बिना किसी रुकावट या तनाव के संपन्न हो जाए, पर इस मंशा के बावजूद यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि चीन की आक्रामक और विस्तारवादी नीतियों में कोई बदलाव आएगा। हां, यह जरूर है कि गलवान, पैंगोंग त्सो, गोगरा, हॉट्प्रिंग जैसे एलएसी के कई क्षेत्रों में अब तनाव कम हुआ है, लेकिन मीडिया खबरों से यह भी तस्दीक होती है कि चीन अब भी देपसांग और डेमचोक पर स्थिति सामान्य करने को तैयार नहीं है। इन सबसे दोनों राष्ट्रों के आपसी रिश्ते अब भी नाजुक बने हुए हैं। अप्रैल-मई, 2020 में एलएसी के पश्चिमी सेक्टर में लद्दाख में बीजिंग ने जिस आक्रामकता की शुरुआत की थी, वह कमोबेश कायम ही है।

ऐसे में, सीमा-विवाद का आखिर समाधान क्या है? असलियत यही है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन अब खुद को विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका की बराबरी करने को उत्सुक है। वह अपना प्रभाव दुनिया के हरेक क्षेत्र में जमाना चाहता है। एशियाई देशों में भारत और जापान को वह इस कार्य में विशेष रुकावट के तौर पर देखता है। इसी कारण, सीमा विवाद का सम्मानजनक हल ढूंढ़ने की उसकी कोई मंशा फिलहाल नहीं जान पड़ती। लद्दाख ही नहीं, पूर्वी सेक्टर में भी उसकी आक्रामक नीति जारी है। इसी क्रम में उसने अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों के मंदारिन नाम जारी किए। सीमा विवादों को तो छोड़िए, उसकी इच्छा वास्तविक नियंत्रण रेखा को परिभाषित करने तक नहीं लगती। रिपोर्ट बता रही हैं कि लद्दाख के सेक्टर में भारत को अपने सैनिकों की संख्या बढ़ानी पड़ी है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही थीं कि चीन ने यहां अपने जवानों की तादाद बढ़ा दी है। इतना ही नहीं, वह सीमा पर बुनियादी ढांचों के निर्माण-कार्य में भी काफी तेजी दिखा रहा है। इन सबका एक ही मकसद है, भारत पर हरसंभव दबाव बनाया जाए। संभवत: चीन यह समझता है कि चूंकि उसकी अर्थव्यवस्था फिलहाल भारत से छह गुना बड़ी है, इसलिए सीमा पर 'बेजा' खर्च का आर्थिक दबाव उस पर उतना नहीं होगा, जितना भारत पर हो सकता है।

हमें चीन की भारत नीति को समग्रता में समझना होगा। अपनी विश्व नीति, खासतौर से अमेरिका के प्रति रवैये के संदर्भ में वह काफी हद तक भारत को देखता है। इसी कारण, हिंद-प्रशांत को लेकर वह कहीं ज्यादा संजीदा है। हालांकि, यहां मिल रही चुनौती को हम 'क्वॉड' (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका की कूटनीतिक साझेदारी) के जरिये भी सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसमें हमें निरंतर प्रयास करना होगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमें अपनी कूटनीतिक मौजूदगी बढ़ानी होगी। इतना ही नहीं, हमारे लिए पश्चिम एशिया का मोर्चा अब कहीं ज्यादा गंभीर होता जा रहा है, जिस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। गुजरे मार्च महीने में ही चीन की मदद से सऊदी अरब और इरान में समझौतों का सिलसिला शुरू हुआ है, जिसके बाद दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बहाल करने पर राजी हुए हैं। यह घटनाक्रम इसलिए अहम है, क्योंकि अभी तक सऊदी अरब के रिश्ते अमेरिका के साथ काफी मजबूत माने जा रहे थे। भारत के कई आर्थिक और सामरिक हित पश्चिम एशिया से जुड़े हैं। चीन की इस पहल से हमें नुकसान हो सकता है।

रूस के प्रति भी चीन जो उदारता दिखा रहा है, उसके कूटनीतिक निहितार्थ हमें समझने होंगे। 1960 के दशक में दोनों देश एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए थे, जिसके बाद चीन ने अमेरिका के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया था। इन दशकों में मॉस्को और नई दिल्ली तेजी से करीब आए, लेकिन शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद चहुंमुखी विकास के कारण हमारे संबंध रूस के साथ मजबूत तो रहे, लेकिन हमने अन्य देशों से भी अपने रिश्ते आगे बढ़ाए। आज जब मॉस्को और बीजिंग की नजदीकी बढ़ रही है, जिसका एक कारण यूक्रेन युद्ध भी है, तब भारत को अपनी कूटनीति का मूल्यांकन करना चाहिए।

एक सत्य यह भी है कि पाकिस्तान ही नहीं, म्यांमार और नेपाल में भी चीन अपना प्रभाव तेजी से बढ़ाता जा रहा है, जिसका असर हमारे हितों पर पड़ सकता है। जाहिर है, हर दृष्टि से चीन हमारे लिए विदेश नीति में सबसे बड़ी चुनौती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बीमाधारकों के अधिकारों की हरसंभव सुरक्षा जरूरी

अभिषेक बोंदिया, बीमा विशेषज्ञ

एक बीमा अधिकारी ने दिल की बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होने के एक दावे को मनमाने ढंग से खारिज कर दिया। जब बीमा का दावा आया, तो उस अधिकारी ने अपनी पहल पर रोगी के पिछले मेडिकल रिकॉर्ड निकलवा लिए। पिछले रिकॉर्ड में रोगी द्वारा धूम्रपान के इतिहास का जिक्र मिल गया, इसलिए उसने निष्कर्ष निकाल लिया कि धूम्रपान की वजह से हृदय संबंधी समस्या हुई। चिकित्सा बीमा पॉलिसियों में शराब, नशीली दवाओं, मादक द्रव्यों के सेवन या किसी भी नशे की स्थिति और उसके परिणामों के लिए उपचार की सुविधा शामिल नहीं है। बीमा के दावे को नामंजूर कर दिया जाता है। हालांकि, बीमा के ऐसे दावों को खारिज करने का कोई चिकित्सकीय आधार नहीं है। इसके बावजूद दावों का खारिज होना सामान्य बात है।

कुछ समय पहले लिवर सिरोसिस के इलाज के खर्च के लिए किए गए एक दावे को खारिज कर दिया गया, क्योंकि मरीज कभी-कभी शराब का सेवन करता था। यह सामान्य ज्ञान है कि अत्यधिक शराब लीवर को नुकसान पहुंचा सकती है, पर शराब न पीने वालों को भी लीवर संबंधी शिकायतें हो सकती हैं। खैर, अच्छी बात है कि इन दोनों ही मामलों ने जब तूल पकड़ा, तब बीमा कंपनियां अपने शुरुआती फैसले को पलटने के लिए मजबूर हो गईं। सही फैसला पहले भी हो सकता था, मरीजों को इतनी पीड़ा का सामना नहीं करना पड़ता।

ऐसा आए दिन न जाने कितने लोगों के साथ होता होगा। सोचकर देखिए, हृदय संबंधी उपचार एक बड़े अस्पताल में किया गया, वह स्वास्थ्य बीमा के नेटवर्क में शामिल था, अत: रोगी बिना धन भुगतान के बीमा का लाभ ले सकता था। दुखद यह कि डॉक्टर द्वारा मरीज को छुट्टी दिए जाने के कई घंटे बाद दावे को खारिज करने का

फैसला आया, लेकिन बिल का भुगतान होने तक मरीज को अस्पताल में रोके रखा गया था। रोगी या उसके परिजन अचानक नकद भुगतान में असमर्थ थे। काफी कोशिशों के बाद बीमा पर आखिरी मंजूरी अगले दिन ही आई। अंत भला रहा, पर बीमा संबंधी जो अनुभव रोगी और उसके परिवार को हुआ, क्या उसे नजरअंदाज किया जा सकता है? ऐसी घटनाओं के आधार पर किसी भी बीमाधारक के लिए बीमाकर्ताओं पर अविश्वास स्वाभाविक है। ऐसी पीड़ा की क्या भरपाई है? बीमाधारक अपनी ऐसी शिकायतों के लिए कहां जा सकते हैं?

इसमें बीमाधारकों की सेवा करने या शिकायत सीधे सुनने वाले बीमाकर्ता अधिकारी का ही दोष नहीं है, बल्कि यह बीमा के मोर्चे पर नीतिगत कमी है। अनेक ग्राहकों के दावे को केवल इसलिए खारिज कर दिया जाता है, क्योंकि वे गैर-नेटवर्क वाले अस्पतालों में इलाज कराते हैं। वैसे बीमाकर्ता कंपनियां भी अनेक सुविधाओं को छिपाए रखती हैं। सभी गैर-नेटवर्क दावों का भुगतान करने की स्थापित प्रथा है, कंपनियां इस आधार पर बीमा का लाभ देने से बच नहीं सकतीं। ऐसे दावे को खारिज करने का फैसला बीमा विनियामक या कानूनी जांच के सामने टिक नहीं सकता, पर ज्यादातर बीमाधारक अपने वाजिब हक के लिए लड़ नहीं पाते हैं। ऐसे मामलों में बीमाधारकों के पास बहुत सीमित उपाय हैं। लोकपाल के पास मामला दायर करने का प्रशासनिक बोझ बहुत अधिक होता है और यह अक्सर दावा राशि से भी अधिक होता है। लोकपाल के फैसलों में समय भी लग सकता है, कुछ मामलों में तो एक वर्ष से भी अधिक। अधिकांश लोग छोटे दावों के खारिज होने पर चुप रह जाते हैं, जबकि बड़े दावों के लिए लड़ना मजबूरी है।

बीमा संबंधी नियमों की ठोस व्यवस्था है, ताकि लोगों को वाजिब लाभ मिल सके, पर बीमाकर्ता उदार व्याख्याओं का सहारा लेकर भुगतान से बचने के रास्ते खोजते रहते हैं। चिकित्सा विज्ञान ने बहुत तरक्की की है। कई सारे ऐसे उपचार हैं, जिनके लिए अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं। सिर्फइसी आधार पर दावे को खारिज करना अनुचित है। दावों और बीमा लाभ को शब्दों के जाल में नहीं फंसने देना चाहिए। एक-एक बीमाधारक के हितों को संरक्षित करने की जरूरत है। बीमाधारक के हित को सबसे ऊपर रखने वाले बीमा अधिकारियों के लिए प्रोत्साहन की भी कमी है। उन्हें यथोचित सेवा के लिए प्रशिक्षित करना भी जरूरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सेहत और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बोरे-बासी

जी. एस केशरवानी, ए.पी. सोलंकी

छत्तीसगढ़ के आम जन जीवन में बोरे-बासी लोकप्रिय है। राज्य में बहुतायत रूप से धान की खेती के कारण यहां चावल से बने अनेक व्यंजन प्रचलित हैं, इनमें बोरे-बासी भी एक है, छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों भी इसे बड़े चाव से खाना पंसद करते हैं। बोरे-बासी यहां की जीवनशैली का एक अहम हिस्सा है। फिल्मों में छत्तीसगढ़ी परिवेश को दिखाने के लिए पात्रों को 'बासी' खाते दिखाया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य की संस्कृति के साथ यहां के खान-पान को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में एक मई मजदूर दिवस के दिन श्रमिकों को सम्मान देने के लिए उनके प्रिय आहार को लेकर पूरे राज्य में 'बोरे-बासी कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मेहनतकश लोगों का मुख्य आहार बोरे-बासी है। हालांकि बोरे-बासी का सेवन समाज के हर तबके के लोग करते हैं। रात के बचे भात को पानी में डूबाकर रख देना और उसे नाश्ता के तौर पर या दोपहर के खाने के समय इसका सेवन किया जाता है। इसलिए इसे सुलभ व्यंजन भी माना गया है। विशेषकर गर्मी के मौसम में बोरे और बासी को बहुतायत लोग खाना पसंद करते हैं। बोरे-बासी पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह सेहत और स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद है। छत्तीसगढ़ियों के जीवन में 'बोरे-बासी' इतना घुला-मिला है कि जब सुबह कहीं जाने की बात होती है तो बासी खाकर निकलने का जवाब मिलता है, इससे संकेत मिलता है कि व्यक्ति सुबह 8 बजे के बाद घर से निकलेगा। 'बासी खाय के बेरा', से पता चल जाता है कि यह लंच का समय है।

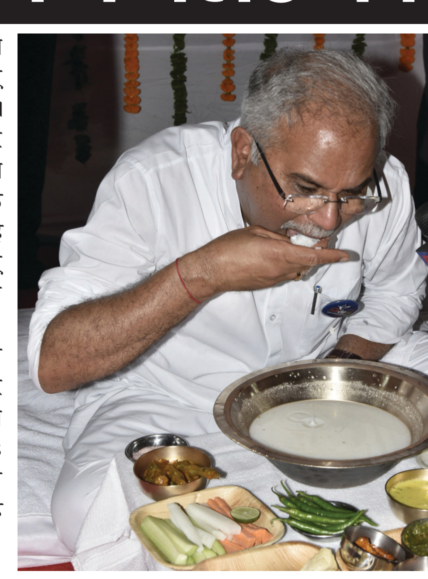

बोरे और बासी बनाने की विधि

बोरे और बासी बनाने की विधि बहुत ही सरल है। बोरे और बासी बनाने के लिए पका हुआ चावल (भात) और सादे पानी की जरूरत है। बोरे और बासी दोनों की प्रकृति में अंतर है। बोरे से अर्थ, जहां तत्काल चुरे हुए भात (चावल) से है जिसे पानी में डूबाकर खाया जाता है। वहीं बासी एक पूरी रात या दिनभर भात (चावल) को पानी में डूबाकर रखा जाता है। फिर अगले दिन इसे खाया जाता है। कई लोग भात के पसिया (माड़) को भी भात और पानी के साथ मिलाते खाते हैं। यह पौष्टिक के साथ स्वादिष्ट भी होता है।

प्याज, अचार और भाजी बढ़ा देते हैं स्वाद

बोरे या बासी के साथ प्याज, आम के अचार, भाजी जैसी सहायक चीजें बोरे और बासी के स्वाद को बढ़ा देते हैं। छत्तीसगढ़ में गर्मी के दिनों में भाजी की बहुतायत होती है, इन भाजियों के साथ बासी का स्वाद दुगुना हो जाता है। बोरे में दही में मिलाकर भी खाया जाता है। गांव-देहातों में मसूर की सब्जी के साथ बासी का सेवन किया जाता है। कुछ लोग बोरे-बासी के साथ में बड़ी-बिजौरी भी स्वाद के लिए खाते हैं।

बोरे-बासी खाने से लाभ

बोरे-बासी में पानी की भरपूर मात्रा होती है, जिसके कारण गर्मी के दिनों में शरीर को शीतलता मिलती है। उच्च रक्तचाप नियंत्रित करता है पाचन क्रिया में मदद मिलती है। गैस या कब्ज की समस्या वाले लोगों के लिए यह फायदेमंद है। बासी का सेवन किया जाए तो पथरी की समस्या होने से भी बचा जा सकता है। चेहरे में ताजगी, शरीर में स्फूर्ति रहती है। बासी के साथ माड़ और पानी से मांसपेशियों को पोषण भी मिलता है। बासी खाने से मोटापा भी दूर भागता है। बासी का सेवन अनिद्रा की बीमारी से भी बचाता है।

बासी का पोषक मूल्य

बासी में कार्बोहाइड्रेट, आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन्स, मुख्य रूप से विटामिन बी-12, खनिज लवण और जल की बहुतायत होती है। ताजे बने चावल (भात) की अपेक्षा इसमें करीब 60 फीसदी कैलोरी ज्यादा होती है। बासी के साथ हमेशा भाजी खाया जाता है। पोषक मूल्यों के लिहाज से भाजी में लौह तत्व प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहते हैं। इसके अलावा बासी के साथ दही या मही सेवन किया जाता है। दही या मही में भारी मात्रा में कैल्शियम रहता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert

सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रासायनिक उर्वरकों का अग्रिम उठाव अवश्य करें किसान

बिलासपुर। जिले के सहकारी समितियों में 1 अप्रैल 2023 से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण एवं कृषि आदान जैसे-बीज, उर्वरकों का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। किसान अपने फसलों के लिए आवश्यकता अनुरूप में उर्वरक की मांग अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कर सकते है, जिसके सेवा सहकारी समितियों में इसका भण्डारण कराया जा सके। वर्तमान में जिले के सेवा सहकारी समितियों में यूरिया 4041 मेट्रिक टन., सिंगल सुपर फास्फेट 963 मेट्रिक टन., डीएपी 3017 मेट्रिक टन, पोटाश 340 मेट्रिक टन एवं एन.पी.के. 1517 मेट्रिक टन तथा पर्याप्त मात्रा में वर्मी कम्पोस्ट का भण्डारण किया गया है। वर्षा के पश्चात फसल बोनी निकट आते ही खाद की मांग बढ़ जाने के कारण उर्वरक की आपूर्ति प्रभावित होती है। वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की आपूर्ति हो रही है एवं आसानी से उर्वरक उपलब्ध है। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील है की है कि वे उर्वरक की कमी की समस्या से बचने लिये शासन द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरक एवं वर्मी कम्पोस्ट का अग्रिम उठाव शीघ्र कर लें। वस्तु ऋण में शून्य प्रतिशत ब्याज दर होने के कारण किसानों को अग्रिम उठाव करने पर भी कोई अतिरिक्त राशि देना नहीं पड़ता है एवं उर्वरक की आवश्यकता के समय भटकना भी नहीं पड़ता है। अग्रिम उठाव एक अच्छा विकल्प है जिसमें समय की बचत भी होती है।

आयुष्मान कार्ड बनाने पूरे जिले में चलाएं सघन अभियान-कलेक्टर

रायगढ़। जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने की गति बढ़ाएं, इसके लिए सघन अभियान चलाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी को इसके लिए एक्टिवेट करें। यह बातें कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने आज समय-सीमा की बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने का काम तेजी से पूर्ण किया जाए। कलेक्टर श्री सिन्हा ने इसके साथ ही हाट-बाजार क्लिनिक योजना के संचालन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी जगहों पर व्यवस्थित रूप से इन क्लिनिक का संचालन होना चाहिए। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर खुद इसकी मॉनिटरिंग करें। इसमें कहीं लापरवाही की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने आगामी मई माह में जिलें में आयुष्मान कार्ड के साथ केसीसी बनाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने काम की धीमी गति को लेकर कड़ी नाराजगी जताई और ईई पीएचई को निर्देश देते हुए कहा कि काम की स्पीड बढ़ाएं। जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य नही किया जा रहा है, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि काम की गुणवत्ता से कहीं कोई समझौता नही होना चाहिए। उन्होंने अगले हफ्ते तक काम में प्रोग्रेस लाने के निर्देश दिए। बैठक में समय सीमा से बाहर के प्रकरणों को लेकर भी कलेक्टर की नाराजगी दिखी। उन्होंने जिन अधिकारियों के प्रकरण लंबित थे उन्हे हिदायत देते हुए कहा कि प्रकरण निराकरण के लायक है तो समय सीमा के भीतर निराकृत करें। कहीं कोई समस्या हो तो अवगत कराएं। लेकिन प्रकरण पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही करना घोर लापरवाही है। ऐसे मामलो में अब सख्त कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री सिन्हा ने इस दौरान निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही स्कूलों के निर्माण कार्य के संबंध में भी अद्यतन जानकारी निर्माण विभाग से ली।

कमल विहार अब कहलाएगा कौशल्या विहार : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने दी 167 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कमल विहार अब कौशल्या विहार के नाम से जाना जाएगा। कबीर नगर एवं सड्डू की हाउसिंग बोर्ड कालोनियों के साथ ही रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाली प्रत्येक बीएसयूपी कालोनी में सीवरेज ट्रीटमेंट के लिए 50 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। यह घोषणाएं आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा में नागरिकों से भेंट मुलाकात के दौरान की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भेंट-मुलाकात के दौरान की घोषणाबोरियाखुर्द में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को 167 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात भी दी, इसमें 126 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 36 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राही पथरी निवासी श्री श्याम बघेल ने बताया कि इस योजना की चारों किश्त उन्हें मिल गई है। मुख्यमंत्री की इस योजना से काफी आर्थिक लाभ हासिल हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भेंट-

मुलाकात के दौरान की घोषणा

1700 की दवा मिल रही 640 रुपए में - मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने मोबाइल मेडिकल वैन के बारे में पूछा। दलदल सिवनी की टिकेश्वरी धीवर ने बताया कि गाड़ी मेरे मोहल्ले में महीने में दो बार आती है। जांच में पता चला कि मेरा तो हिमोग्लोबिन कम था। यहां इलाज भी हो गया, अब पूरी तरह स्वस्थ हूँ। राखी साहू ने बताया कि धन्वंतरी योजना के अंतर्गत 1700 रुपए की दवा 640 रुपए में मिल जाती है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राही ने बताया कि उन्हें पैर में डीवीटी (डीप वैन थ्राम्बोसिस) की समस्या थी। शासन से सवा चार लाख रुपए मिले, नागपुर में इलाज कराया। अब स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री ने राशन के बारे में भी जानकारी ली। कुंती ने बताया कि राशन दुकान वाला राशन देने से आनाकानी करता है। मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दुकान संचालक के विरुद्ध कार्रवाई करने निर्देशित किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन दुकानों के सामने शेड लगाए जाएं ताकि लोगों को कतार में किसी तरह की दिक्कत न हो।मितान से आसान हो गये काम- मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी ली। वीरेंद्र जोशी ने बताया कि बेटे का निवास प्रमाणपत्र बनाना था। घर में मितान आये, तुरंत ही प्रमाणपत्र बन गया। मितान की वजह से बहुत आसानी हो गई है। मठपुरैना की मंजू साहू ने बताया कि प्रमाणपत्र बनाने में पहले मोहल्ले वालों को काफी दिक्कत आती थी अब यह दिक्कत दूर हो गई है। मोवा के अंकुश साहू ने बताया कि आनलाइन अनुज्ञा की सुविधा होने से काफी कम समय में उन्हें अनुज्ञा मिल गई। काम उम्मीद से बहुत जल्दी हो गया। धरसींवा के सुशील जांगड़े ने बताया कि बिजली बिल हाफ योजना से बिजली बिल में काफी कटौती हो गई है। स्वामी आत्मानंद स्कूल से 45 हजार रुपए तक की बचत- लालपुर में स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ रही श्रेया ने बताया कि पहले प्राइवेट स्कूल में 45 हजार खर्च करना होता था। अब नि:शुल्क अच्छी शिक्षा मिल रही है। निधि साहू ने बताया कि मोवा के स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ रही हूँ। यहां की लाइब्रेरी, लैब बहुत अच्छे हैं। पढ़ाई का स्तर बहुत अच्छा है। गोल्डी ने बताया कि किताबें भी मुफ्त मिलती हैं। यहां पढ़ाई बहुत अच्छी है। बिरगांव की संध्या यादव ने बताया कि बेरोजगारी भत्ते के लिए फार्म भर दिया है। इससे काफी सुविधा होगी। भुवनेश्वरी धनकर ने बताया कि बेरोजगार युवाओं को आर्थिक मदद मिलने से उनकी दिक्कतें दूर हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ ओलंपिक के प्रतिभागियों से भी बातचीत की। जगत ने बताया कि इस आयोजन में कई ऐसे खेल खेलने मिले जो उसने बचपन में खेले थे और अब भूल चुका था। जगत वर्मा ने बताया कि उसने गिल्ली डंडा में संभाग स्तर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस दौरान विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, महापौर श्री एजाज ढेबर एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं- मुख्यमंत्री ने इस दौरान कबीर नगर एवं सड्डू स्थित हाउसिंग बोर्ड की कोलानियों में सीवरेज ट्रीटमेंट के कार्य, विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली बीएसयूपी कालोनियों में सीवर ट्रीटमेंट के लिए प्रत्येक कालोनी हेतु 50 लाख रुपए, अमलीडीह के महाविद्यालय का नामकरण कौशल्या माता के नाम पर करने की घोषणा की।

44 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होगी योजना

मुख्यमंत्री ने माना कैम्प में जल आवर्धन योजना का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर ग्रामीण में भेंट मुलाकात के दौरान आज नगर पंचायत माना कैम्प जल आवर्धन योजना का भूमिपूजन किया। लगभग साढ़े 44 करोड़ रुपए लागत की यह योजना 27 माह में पूरी होगी। जल आवर्धन योजना के माध्यम से माना कैम्प के 3 हज़ार 2 सौ घरों तक पीने का साफ पानी पहुंचेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने माना कैम्प में खुलने वाले नये महाविद्यालय का नाम प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी महाविद्यालय करने की घोषणा की। इस मौके पर विधायक श्री रायपुर ग्रामीण के विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, नगर निगम रायपुर के महापौर श्री ऐजाज ढेबर और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा सहित अनके जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने माना में जल आवर्धन योजना के भूमिपूजन समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि इस योजना के पूर्ण होने से सभी घरों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी और विशेष रूप से हमारी बहनों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि माना कैम्प को इंदिरा जी ने ही बसाया था और उनका स्नेह यहां के लोगों को मिला। तबसे यह क्षेत्र निरंतर उन्नति और प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माना कैम्प के लोगों का इंदिरा गांधी जी से भावनात्मक लगाव भी है। मुख्यमंत्री ने इंदिरा जी के नाम को स्मरणीय बनाये रखने के लिए यहां के लोगों की मांग पर यहां खुलने वाले नए महाविद्यालय का नाम प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी महाविद्यालय करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए प्रसन्नता की बात है कि इंदिरा जी के बसाये हुए माना कैम्प में उनके नाम पर महाविद्यालय होगा। उल्लेखनीय है कि माना कैम्प में बनने वाले जल आवर्धन योजना के तहत दो नये ओवर हेड टैंक बनाएं जाएंगे। साथ ही लगभग 65 हज़ार मीटर पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी। इस जल आवर्धन योजना के पूरा होने से माना कैम्प वासियों की भू-जल स्त्रोतों पर निर्भरता कम होगी। इस योजना के लिए पानी की आपूर्ति नगर निगम रायपुर से होगी।

मलेरिया के रोकथाम एवं बचाव के संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने किया लोगों को जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर की उपस्थिति में आज स्थानीय जिला कार्यालय के आरोग्यम् सभा कक्ष में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.टी.जी.कुलवेदी ने बताया कि 25 अप्रैल 2023 को रायगढ़ जिले के समस्त विकासखंड में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस आयोजन के तहत जनसामान्य को संदेश के रूप मलेरिया के रोकथाम एवं बचाव के बारे में बताकर जागरूक किया जा रहा है। इस वर्ष भी शासन से थीम प्राप्त हुआ जिसको मुख्य रूप से दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में मलेरियन उन्मूलन के लिए चलाए गए अभियान के कारण 2017 से 2021 के बीच साल दर साल मलेरिया के प्रकरणों में 75 से 79 फीसदी की कमी आई है। छ.ग. राज्य अब मलेरिया उन्मूलन की स्थिति में दूसरे वर्ग के राज्य की सूची में आ गया है।

रायगढ़ जिले में भी निरंतर मलेरिया प्रकरणें में वृहद् कमी पाई गई है। विगत कई वर्ष पहले विकासखंड धरमजयगढ़ व लैलूंगा का वार्षिक परजीवी सूचकांक अधिक हुआ करता था। अब वह नीचे आ गया है। ग्लोबल स्ट्रेटनिक एक्शान प्लान के बारें में बताया गया कि 2025 तक कम से कम 75 प्रतिशत मलेरिया केस इसीडेंस कम है और 2030 तक 90 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आज विश्व मलेरिया दिवस पर शहरी क्षेत्र के समस्त मितानिनों एवं मितानिन प्रशिक्षकों को मलेरिया उन्मूलन के बारे में विस्तृत जानकारी बतायी और मलेरिया नियंत्रण पर रोकथाम एवं बचाव के बारे में अवगत कराया कि अपने घर एवं आस पास पानी जमा होने न दें, पानी जमा होने वाले स्त्रोतो को नष्ट करें, जमे हुए पानी में जला हुआ मोबिल आयल अथवा मिटटी का तेल अवश्य डालें, फूल आस्तीन का कपड़े पहनना चाहिये, मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए, मच्छर से बचने के लिए नीम के पत्ते धुँआ करना चाहिए ताकि वयस्क मच्छर आसपास न रहे। बायो लार्वी साइड का भी प्रयोग करना चाहिए।

बोरे-बासी खाकर मनाया जाएगा श्रमिक दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर सु इफ्फत आरा ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में विभागवार समीक्षा कर लंबित प्रकरणों के निराकरण निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी बेरोजगारी भत्ता योजना के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कलस्टरवार तथा जनपदवार लंबित आवेदनों का निराकरण अति शीघ्र करें। ऐसे आवेदकों का आवेदन अवश्य स्वीकृत करें जो वास्तव में जरूरतमंद है। उनका परीक्षण भी अच्छे से करें। आगामी 30 अप्रैल 2023 को मुख्यमंत्री जी बेरोजगारी भत्ता की पहली किस्त जारी करने वाले है।

सभी जनपद सीईओ अपने-अपने जनपदों से 2-2 हितग्राही का चिन्हांकन कर ले। साथ जिले से वर्चुअल के माध्यम से भी हितग्राहियों से मुख्यमंत्री जी वार्तालाप करेंगे। उसके लिए भी जिला मुख्यालय के लिए हितग्राहियों का चिन्हांकन कर ले। कलेक्टर ने निर्देष देते हुए कहा है कि उन्हीं हितग्राहियों का चिन्हांकन करें जिनकी वास्तविक स्वीकृत हो, उनके बैंक खाते का सत्यापन हुआ हो तथा उनका नाम, मोबाइल नम्बर तथा आवेदन संख्या की जानकारी के साथ वर्चुअल के लिए उपस्थित हो। कलेक्टर ने एफआरए ग्रामों में सुविधा के विस्तार पर चर्चा करते हुए कहा सभी विभाग प्रमुख सुनिश्चित करें कि उनके विभाग की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मिले। उन्होंने जनपदवार चिन्हांकित गांवों में बर्तन बैंक की स्थापना करने के निर्देष दिये। उन्होंने जिले में आयुष्मान कार्ड की प्रगति की जानकारी लेते हुए सीएमएचओ को निर्देष देते हुए कहा प्रतिदिन खण्ड चिकित्सा अधिकारी आरएचओ से प्रगति की जानकारी ले तथा आयुष्मान कार्ड की प्रगति से अवगत कराये। सर्व एसडीएम आय, जाति, निवास प्रमाण पत्रों को समय सीमा में निराकरण करें। उन्होंने स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेष की जानकारी लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देष दिये लॉटरी पद्धति से निष्पक्ष प्रवेष कराना सुनिष्चित करें।

उन्होंने समस्त एसडीएम एवं जनपद सीईओ को बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछले वर्ष 1 मई 2023 को श्रमिक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय भोजन बोरे-बासी खाकर श्रमिक दिसव मनाने की नई रीत की शुरूवात की थी। ठीक उसी प्रकार इस वर्ष भी सभी मुख्यालयों में बोरे-बासी खाकर श्रम दिवस मनाया जायेगा। सभी अधिकारी मुख्यालय में बोर-बासी खाने और श्रमिक दिवस मनाने की तैयारी करें।

महिलाओं को जागरूक और न्याय दिलाने जिले में पहुंची महतारी न्याय रथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश एवं मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ के द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं को जागरूक करने एवं कानूनी अधिकार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला कार्यालय के प्रांगण में पहुंचे रथ को विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री छबिन्द्र कर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

यह रथ जिले के सभी एकीकृत बाल विकास परियोजना मुख्यालयों के सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं को जागरुक करने का कार्य करेगी। महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं उन अत्याचारों से न्याय दिलाने, घरेलू हिंसा, संपत्ति में बेटी का अधिकार, समाज में व्याप्त बुराइयां, दहेज प्रथा, टोनही प्रताड़ना, शारीरिक एवं मानसिक हिंसा से मुक्ति दिलाने कानूनी अधिकारों का ज्ञान कराना, महिला अधिकार, न्याय सहित महिला उत्पीड़न, महिला एवं बेटियों का सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न प्रचार सामग्री का वितरण भी इस दौरान किया जाएगा। मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ का उद्देश्य प्रदेश के सभी बेटियों एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना एवं उनको सुरक्षा एवं अधिकार सम्पन्न बनाना है। इस दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती आभा गुरुद्वान एवं विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

खास खबर...

राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालयों में लगाए जाएंगे शिविर

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए तहसील कार्यालयों में शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। रायपुर के तहसील कार्यालय में 15 मई को, धरसींवा के तहसील कार्यालय में 18 मई को, मंदिरहसौद के तहसील कार्यालय में 25 मई को और आरंग के तहसील कार्यालय में 31 मई को शिविर का आयोजन किया जाएगा। राजस्व शिविर में नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान-किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने शिविरों में अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों नायाब तहसीलदारों सहित सभी राजस्व अमलें को उपस्थित रहने के भी निर्देश जारी किए है।

दूसरी किश्त 28 अप्रैल तक जमा कर सकेंगे हज यात्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमेन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि हज कमेटी ऑफइंडिया मुम्बई के सर्कुलर 12 से प्राप्त सूचना के अनुसार हज-2023 के लिए चयनित हज यात्री दूसरी किश्त अब 28 अप्रैल तक जमा कर सकेंगे। पूर्व में जारी सर्कुलर के अनुसार दूसरी किश्त की राशि 24 अप्रैल तक जमा की जानी थी, जिसे हज कमेटी ऑफइंडिया ने बढ़ाकर अब 28 अप्रैल तक कर दिया है। हज यात्री दूसरी किश्त की राशि 01 लाख 70 हजार रूपए 28 अप्रैल तक ऑनलाईन, एसबीआई या यूबीआई में पूर्व प्रक्रिया अनुसार ही जमा करें। अधिक जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

महिला कांग्रेस ने विधानसभाओं में नियुक्त किए प्रभारी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महिला कांग्रेस के द्वारा नई टीम का गठन किया जा रहा है। इस क्रम में राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष माननीय नेटा डिसूजा का पिछले दिनों में रायपुर में प्रवास हुआ था। उन्होंने यहां महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श भी किया। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा की सांसद फूलो देवी नेताम के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए महिला कांग्रेस के प्रभारी नियुक्त कर जिम्मेदारी दी गई है। कोरबा जिला के अंतर्गत आने वाले चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए कोरबा विधानसभा में अंकिता वर्मा को प्रभारी नियुक्त किया गया है। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए रश्मि सिंह, कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के लिए ममता पैकरा तथा पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र के लिए शिल्पी तिवारी को प्रभारी बनाया गया है। विधानसभा प्रभारियों को कहा गया है कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में दौरा, जनसंपर्क प्रारंभ करे तथा छत्तीसगढ़ सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जन-जन को बताएं तथा केन्द्र की सरकार के द्वारा आम जनता, गरीबों, किसानों, मजदूरों के हित के विरूद्ध किए जा रहे कार्यों और कुनीतियों के बारे में आम लोगों को अवगत करावें। समस्त प्रभारियों ने कहा कि वे उन्हें दी गई सभी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे।

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का राजधानी मे मंगल प्रवेश

रायपुर (ए)। भारत गौरव साधना महोदधि सिंह निष्कडित अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का ससंघ आगमन 25 अप्रैल को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रात: 8 बजे जैन मंदिर शंकर नगर सें जैन मंदिर फाफाडीह मे हुआ। इस अवसर पर सकल जैन के धर्मप्रेमी बंधु बड़ी संख्या मे पारम्परिक वेशभूषा मे उपस्थित थे। सकल जैन समाज ने धर्मिक धुनो मे बाजे-गाजे के साथ आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली। खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर फाफाडीह मे आचार्य के श्रीमुख सें मंगल प्रवचन देशना सुबह 10 बजे प्रारम्भ हुई। उसके बाद 11 बजे सभी मुनियो की आहारचर्या हेतु निकले। दोपहर 12 बजे आचार्य की ससंघ सामायिक आदि धार्मिक क्रियाये हुई। दोपहर 2.30 बजे आचार्य का पुन:मंगल प्रवचन का लाभ सभी को मिला।

पंचायती राज दिवस पर पीआरआई-सीबीओ कन्वर्जेन्स परियोजना का हुआ शुभारंभ

बस्तर और रायपुर जिले की सौ-सौ ग्राम पंचायतें परियोजना में करेंगी भागीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर छत्तीसगढ़ में पीआरआई-सीबीओ कन्वर्जेन्स परियोजना का शुभारंभ किया गया। परियोजना के तहत गांवों में आजीविका के अवसर बढ़ाने और गरीबी कम करने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के सामुदायिक संगठनों और ग्राम पंचायतों के अभिसरण से मिशन के अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों को उद्यमशील बनाया जाएगा। यह परियोजना बस्तर और रायपुर जिले के चार-चार विकासखंडों के कुल 200 ग्राम पंचायतों में संचालित की जाएगी। परियोजना के शुभारंभ के मौके पर रायपुर के ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा में आयोजित कार्यशाला में दोनों जिलों के 'बिहान' के सामुदायिक संगठनों की पदाधिकारी और पंचायतीराज संस्थाओं की महिला जनप्रतिनिधि शामिल हुईं। पीआरआई-सीबीओ कन्वर्जेन्स परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण गरीबी को कम करने और आजीविका के अवसर पैदा करने संकुल संगठन, ग्राम संगठन तथा स्वसहायता समूह जैसे स्थायी समुदाय आधारित संगठनों को बढ़ावा देकर ग्राम पंचायतें और स्वसहायता समूहों के संघ अभिसरण से काम करेंगी। इसके तहत समुदाय के भीतर सेवा वितरण तंत्र को बढ़ाने के लिए स्थानीय सरकार और लाइन विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। ग्राम पंचायतों और लाइन विभागों के साथ सीबीओ नेटवर्क भी बनाया जाएगा। यह परियोजना बस्तर जिले के बकावंड, बास्तानार, लोहंडीगुड़ा और तोकापाल विकासखंडों तथा रायपुर जिले के अभनपुर, आरंग, धरसीवा और तिल्दा विकासखंड में संचालित की जाएगी। इसमें इन सभी विकासखंडों की 25-25 ग्राम पंचायतों के 'बिहान' के कुल 32 संकुल संगठनों और 640 ग्राम संगठनों सहित इनसे जुड़ी स्वसहायता समूहें हिस्सेदारी करेंगी। परियोजना का शुभारंभ करते हुए ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं

ग्रामीण विकास संस्थान के संचालक पी.सी. मिश्रा ने कार्यशाला में कहा कि बेहतर लाभ पाने के लिए अपने अधिकारों के विषय में जागरूकता और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है। यह परियोजना स्वसहायता समूहों की महिलाओं को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर एलिस लकड़ा ने कार्यशाला में बताया कि त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं एवं 'बिहान' के अंतर्गत गठित सामुदायिक संगठनों के बीच बेहतर सांमजस्य से गांवों के विकास के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के 17 संकेतकों का क्षेत्रीकरण कर उन्हें नौ थीमों में वर्गीकृत किया गया है।

सीओओ लकड़ा ने बताया कि गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, चाइल्ड फ्रेन्डली पंचायत, पानी पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ और हरित पंचायत, पंचायत में आत्मनिर्भर अधोसंरचना, सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत, सुशासन वाली पंचायत और महिला हितैषी पंचायत जैसे थीम आपस में किस तरह से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज संस्थाएं और 'बिहान' के सामुदायिक संगठन आपसी सहभागिता से गरीबी उन्मूलन पर कार्य करेगें तो निश्चित ही ग्रामीण क्षेत्रों को गरीबीमुक्त किया जा सकता है। इसके लिए पंचायतीराज संस्थाओं और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को एक-दूसरे का पूरक बनकर काम करने की जरूरत है।

पीआरआई-सीबीओ कन्वर्जेन्स परियोजना के प्रभारी अधिकारी जॉन गैब्रियल ने प्रतिभागियों से परियोजना के उद्देश्यों और आगामी दो वर्ष का रोडमैप साझा किया। उन्होंने त्रैमासिक लक्ष्यों के बारे में भी जानकारी दी। एसआईआरडी में संकाय सदस्य डॉ. अशोक जायसवाल ने कार्यशाला में पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में लागू पेसा अधिनियम, ग्राम गरीबी उन्मूलन योजना और ग्राम पंचायत विकास योजना के बारे में बताया। ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन के राजीव त्रिपाठी ने कार्यशाला में मौजूद संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारियों को पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों से बेहतर समन्वय कर संयुक्त कार्ययोजना बनाने, उनके क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राष्ट्रीय मिशन प्रबंधन इकाई की उषा रानी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि पीआरआई-सीबीओ कन्वर्जेन्स परियोजना के माध्यम से हम समूह की दीदियों की हकदारी को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में 'बिहान' के अच्छे कार्यों को रेखांकित करते हुए इस नई परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएं दी। पंचायतीराज संस्थाओं की महिला प्रतिनिधियों और 'बिहान' की संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारियों ने भी कार्यशाला में अपने अनुभव साझा किए।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के 6वें स्थापना दिवस पर 1500 लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

छत्तीसगढ़ के गांव-गांव तक पहुंचाएंगे योग के फायदे: ज्ञानेश शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के 25 अप्रैल को छठवें स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के सुभाष स्टेडियम में सुबह 6 से 7 बजे तक एक दिवसीय सामूहिक विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 1500 लोग शामिल हुए और सामूहिक योगाभ्यास किया। योगाभ्यास सत्र के बाद लोगों को स्वस्थ जीवन-शैली और योग के प्रति जागरूक करने सुबह 7 बजे से जागरूकता रैली (पैदल यात्रा) निकाली गई। यह जागरूकता रैली सुभाष स्टेडियम से शुरू होकर शास्त्री चौक होते हुए जय स्तंभ चौक से

सिटी कोटवाली, होते हुए वापस सुभाष स्टेडियम में समाप्त हुई।

कार्यक्रम में योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने नागरिकों को नि:शुल्क योग केंद्र एवं नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए फुंडहर स्थित भवन नि:शुल्क उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने योग के प्रचार-प्रसार के साथ लोगों को स्वस्थ जीवन-शैली की ओर लौटकर निरोगी बनाने की महती जिम्मेदारी योग आयोग को सौंपी है। इस दिशा में योग आयोग लगातार प्रयास कर रहा है। नगर निगम के सहयोग से प्रदेश में योग मय वातावरण का माहौल तैयार हुआ है। नगरीय क्षेत्रों में 40 से ज्यादा नि:शुल्क योगाभ्यास केंद्र शुरू किए जा चुके है। मुख्यमंत्री बघेल की घोषणा पर पिछले वर्ष फुंडहर में योग भवन शुरू हो गया है। यहां योग विशेषज्ञों द्वारा 24 अप्रैल से सात दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण योग साधकों को दिया जा रहा है। इससे सुयोग्य योग प्रशिक्षक और अनुदेशक तैयार होंगे, जो छत्तीसगढ़ के गांव-गांव तक योग को पहुंचाएंगे।

पूर्व मंत्री और विधायक रायपुर ग्रामीण सत्यनारायण शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा और महापौर रायपुर एजाज ढेबर ने कहा कि योग आयोग की सक्रियता से छत्तीसगढ़ में योग के प्रति जागरूकता बढ़ी है। हर सार्वजनिक जगहों में लोग सुबह सुबह योग करते दिखाई देते हैं। उन्होंने लोगों से स्वस्थ रहने के लिए दैनिक जीवन में नियमित योग को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों के योगाभ्यास की सुविधा के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा।

केटीयू में फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से दी गई प्राचीन विरासत की जानकारी

रायपुर (ए)। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत एक दिवसीय फोटो प्रदर्शनी एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बता दे कि इंडिया@2023: अभिव्यक्ति' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का आयोजन विवि के पुस्तकालय एवं संदर्भ संग्रहालय ''प्रज्ञा में आयोजित हुआ।

इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विवि के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने किया। उन्होंने कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई एक ऐसी पढ़ाई है जिसमें लोग पढ़कर पास नहीं हो सकते, उन्हें वास्तविक चीजों को देखना और समझना भी जरूरी होता है। अगर आप इन सारे कार्यों को अच्छे से करें तो आप एक अच्छे पत्रकार बन सकते हैं। वहीं फोटो पत्रकारिता पर बात रखते हुए कहा कि पत्रकार जब एक समाचार बनाता है तो एक फोटो लगाकर ही कुछ पंक्ति में अपनी बात लिख देता है। यह फोटो माध्यम ही उसके समाचार को व्यक्त कर देता है।कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना: 46.23 लाख से ज्यादा लोगों को मिली ईलाज की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्र के स्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों को नि:शुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 46 लाख 23 हजार 554 लोगों का इलाज की सुविधा मिली है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 11 लाख 35

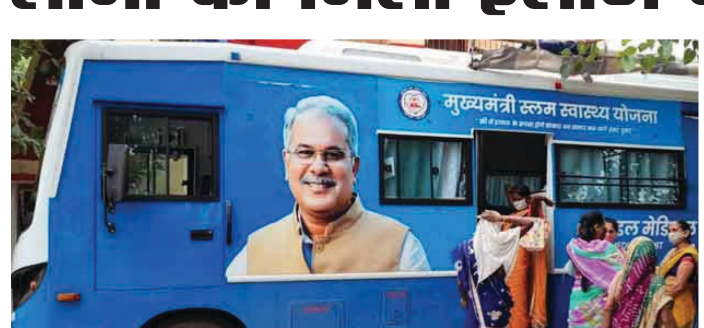

हजार 511 मरीजों की पैथालॉजी टेस्ट किया जा चुका है। साथ ही 39 लाख 31 हजार 344 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाएं भी दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना में अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में उपचार के लिए 60 हजार 872 कैम्प लगाएं जा चुके हैं।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। आगामी दिनों में नई मोबाइल मेडिकल यूनिट की संख्या 150 हो जाएगी। जिससे शहरी क्षेत्र के गरीबों और जरूरतमंद लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

किसान कल्याण समिति के हितों पर हुई चर्चा

आवास एवं पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में नई राजधानी परियोजना प्रभावित किसानों के हितों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में नगरीय प्रशासन विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार कुमार डहरिया विशेष रूप से शामिल हुए।

बैठक में किसान कल्याण समिति की मांगों के तहत नियमानुसार पात्र परिवारों को भूमि आबंटन प्रक्रिया के तहत शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, आवास एवं पर्यावरण तथा राजस्व विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व विभाग के सचिव एन.एन.एक्का, आवास एवं पर्यावरण के विशेष सचिव जनक पाठक, वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा सहित छत्तीसगढ़ स्थानीय विधि संपरीक्षा और वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कमजोर इम्यूनिटी के 5 लक्षण, कभी न करें इग्नोर वर्ना बीमारियों का घर बन जाएगा आपका शरीर

आपको हेल्दी और बीमारियों से दूर रखने में इम्यूनिटी का बड़ा रोल होता है. इम्यूनिटी मजबूत है तो आप हमेशा स्वस्थ रहेंगे. वहीं, अगर इम्यूनिटी कमजोर है बीमारियों का रिस्क कहीं ज्यादा रहता है. कई बार ऐसा भी होता है, जब इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर हो जाता है लेकिन समझ नहीं आता है. आज हम आपको 5 ऐसे लक्षण बताने जा रहे हैं, जो इम्यूनिटी कमजोर होने पर शरीर में दिखाई देने लगते हैं. उन्हें नजरअंदाज करना सेहत के लिए ठीक नहीं होता है.

कमजोर इम्यूनिटी के 5 लक्षण

शरीर में सुस्ती

शरीर में सुस्ती आलस होना इम्यूनिटी कमजोर होने की निशानी है. क्योंकि इम्यूनिटी वीक होने पर बॉडी का एनर्जी कम होने लगता है. इम्यूनिटी वीक होने पर शरीर हर वक्त बैक्टीरिया से लड़ता रहता है और थकावट लगने लगती है.

जल्दी-जल्दी सर्दी-जुकाम होना

अगर किसी की इम्यूनिटी कमजोर है तो उसे जल्दी-जल्दी सर्दी-जुकाम होने लगता है. जब शरीर में इम्यूनिटी लेवल स्ट्रॉन्ग होता है तो मौसमी बीमारियों से यह हमें बचाकर रखता है. लेकिन अगर इम्यूनिटी वीक होती है तो सर्दी-जुकाम की समस्या काफी होती है.

हर समय थकावट होना

जब भी इम्यूनिटी कमजोर होती है, तब शरीर थका-थका सा महसूस करता है. इससे शरीर का कोई भी हिस्सा दर्द करने लगता है. दरअसल, कमजोर इम्यूनिटी की वजह से शरीर की ऊर्जा बीमारियों से लड़ने में लग जाती है और शरीर थका-थका सा लगता है.

पाचन तंत्र बिगड़ना

इम्यूनिटी कमजोर होने का एक लक्षण पाचन तंत्र खराब होना भी है. कमजोर इम्यूनिटी होने पर कब्ज, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं बढ़ जाती है. कई बार तो इम्यूनिटी वीक होने पेट में काफी दर्द भी रहता है. दरअसल, कमजोर इम्यूनिटी की वजह से पेट में बैक्टीरिया बड़ी ही आसानी से प्रवेश कर लेते हैं और पेट संबंधित बीमारियों को जन्म देते हैं.

घाव भरने में वक्त लगना

कमजोर इम्यूनिटी वालों को अगर चोट या घाव लगता है तो वह आसानी से ठीक नहीं होता है. कई बार तो घाव नासूर भी बन सकता है. जब इम्यूनिटी मजबूत होता है, तब चोट लगने के बाद त्वचा खुद इसे भरने में जुट जाती है और चोट आसानी से भर जाता है लेकिन इम्यूनिटी के कमजोर होने पर ऐसा नहीं होता है. इसलिए जब भी इनमें से कोई लक्षण नजर आए तो डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए.

एक्टर के तौर पर 'भोला' मेरे लिए सबसे अच्छी शुरूआत: अर्पित रांका

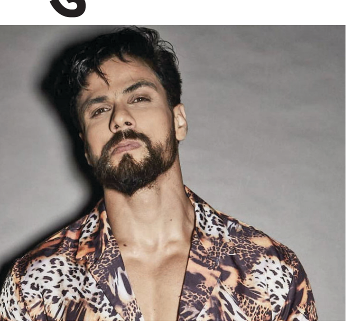

एक्टर अर्पित रांका को 2013 के शो 'महाभारत' में दुर्योधन और 'राधाकृष्ण' में कंस की भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने फिल्म 'भोला' में अजय देवगन और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे 10 साल के इंतजार के बाद उन्हें इतना बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। फिल्म में, वह नेगेटिव रोल भूरा के किरदार में हैं।

बड़े पर्दे पर अपनी शुरूआत करने के बारे में बोलते हुए, अर्पित ने कहा: हिंदी फिल्मों में काम करना हर अभिनेता का सपना होता है। मैं अलग नहीं था। मुझे हिंदी फिल्मों में काम करने में 10 साल लग गए। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा होना तय था। हालांकि पहले भी ऑफर्स थे, लेकिन किसी वजह से मैं उन्हें नहीं कर पाया। मुझे 'भोला' में भूरा का रोल कैसे मिला, यह एक दिलचस्प कहानी है।

उन्होंने कहा, 'भोला' के लिए ऑडिशन देने के बाद, मुझे उज्जैन में महाकाल मंदिर जाने का मौका मिला। कुछ दिनों के बाद, मुझे 'भोला' के लिए अजय देवगन सर के ऑफिस से फोन आया। उनके ऑफिस में महाकाल की मूर्ति देखना मेरे लिए सुखद पल था। इसके अलावा, शूटिंग का मेरा पहला दिन एक सेट पर था जिसमें महाकाल की एक बड़ी मूर्ति थी, जहां फिल्म में एक एक्शन सीक्वेंस होता है।

उन्होंने अजय और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया: मेरी शूटिंग का पहला दिन 30 जून, मेरे जन्मदिन पर था। अजय देवगन और तब्बू के साथ मेरे सीन्स शूट होने थे और मैं बहुत घबराया हुआ था। लेकिन उन दोनों ने मुझे कंफर्ट फील कराया। अजय देवगन एक समर्पित एक्टर और निर्देशक हैं। हर दिन वह सेट पर यह देखने के लिए आते थे कि सब कुछ ठीक है या नहीं। इंडस्ट्री में इतने सालों के काम और नाम कमाने के बाद भी वह काफी सरल इंसान है। सेट पर एक अभिनेता के रूप में बहुत कुछ लेना-देना रहा है क्योंकि मैं फिल्म में एकमात्र अभिनेता हूं जिसने स्क्रीन पर अजय सर को मात दी है।

अर्पित ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार के लिए किस तरह तैयारी की: तैयारी के दौरान मैंने अपनी फिजीक के अलावा अपनी बॉडी लैंग्वेज, खासतौर पर अपनी आंखों को भी काफी अहमियत दी। लोग जानते हैं कि अजय सर आंखों से किस तरह अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। यह सबसे अच्छा डेब्यू है जिसकी मैं उम्मीद कर सकता था। मेरी सबसे अच्छी तारीफ अजय सर से हुई है। प्रीमियर के दौरान उन्होंने मेरे प्रदर्शन की तारीफ की और एक कलाकार के तौर पर मेरा हौसला बढ़ाया। मैं उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। एक अभिनेता के रूप में भोला मेरे लिए सबसे अच्छी शुरूआत है।

खीरा छीलकर खाना चाहिए था बिना छीले? जानें इसे खाने का सही तरीका क्या है?

सलाद के रूप में कच्चा खाया जाने वाला खीरा एक से एक कई जबरदस्त पोषक तत्वों से भरपूर होता है. गर्मियों के मौसम में इसकी डिमांड काफी बढ़ जाती है. क्योंकि खीरे में 95 प्रतिशत तक पानी मौजूद होता है. यही वजह है कि गर्मी में कड़ी धूप की वजह से होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाने में खीरा आपकी काफी मदद कर सकता है. हालांकि कुछ लोग खीरे को छीलकर तो कुछ इसे साबुत खाना पसंद करते हैं. अब सवाल उठता है कि खीरे को छीलकर खाना कितना सही है? क्या वास्तव में खीरे को छीलकर खाया जाना चाहिए? आइए जानते हैं इसका जवाब...

खीरे को छीलकर खाने से ज्यादा फायदेमंद इसे बिना छीले खाना है. अगर आप खीरे को बिना छिले खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे. क्योंकि खीरे के छिलके में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को अलग-अलग तरीके से फायदे पहुंचाते हैं. इसके छिलके में टैनिन और फ्लेवोनोइड्स सहित एक से एक एंटीऑक्सिडेंट मौजूद होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करते हैं और तो और पुरानी बीमारियों के खतरे को भी कम करते हैं. आइए जानते हैं कि बिना छीले खीरे खाने के क्या फायदे मिलते हैं.

छीलकर खीरा क्यों नहीं खाना चाहिए?

■वजन कम करने में मिलती है मदद- जब आप खीरे इसके छिलके उतारे बगैर खाते हैं तो आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है. खीरे का छिलका बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है. यही वजह है कि साबुत खीरा खाने से आपका वजन भी तेजी से घटता है.

■नहीं होगी कब्ज की समस्या- अगर आप छिलका सहित खीरा खाएंगे तो आपको कब्ज की परेशानी नहीं होगी. आपका पेट रोजाना साफ होगा और शरीर भी हाइड्रेटेड रहेगा. साबुत खीरे खाने से आपको पेट से जुड़ी परेशानियां भी कम होंगी.

■शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार-खीरे को बिना छीले खाने से शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद मिलती है और तो और टॉक्सिन्स को बाहर निकालना भी आसान हो जाता है.

रखें इन बातों का ध्यान

■खीरे को साबुत खाने से पहले इसे अच्छे से धो लें

■हो सके तो खीरे को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें.

■खीरे के ऊपर और नीचे का सिरा काटकर अलग कर दें.

बड़े अच्छे लगते हैं 2 की पूर्ति आर्या ने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते एक्टिंग से लिया था ब्रेक

आखिरी बार टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं 2 में नजर आई एक्ट्रेस पूर्ति आर्या एक साल से पर्दे से गायब हैं। पूर्ति ने खुलासा किया कि उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला लिया। उन्होंने कहा- मैंने अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते एक्टिंग से एक छोटा ब्रेक लिया, जिसका प्राथमिकता से इलाज किया जाना आवश्यक था।

जीवन में कभी-कभी सब कुछ छोड़कर खुद को चुनना पड़ता है। मुझे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए समय निकालना पड़ा। इसके अलावा, मुझे अपना मन बनाना था और जिस तरह के प्रोजेक्टस और किरदार मैं करना चाहती थी, उसके बारे में खुद के लिए चीजों को सुलझाना था।

चीजों को नए सिरे से शुरू करने की उम्मीद में, मैंने कुछ समय के लिए चीजों को रोकने का फैसला किया। लेकिन अब मैं आखिरकार वापस आ गयी हूं और ऑडिशन देना शुरू कर दिया है। वह किस तरह का काम करना चाहती हैं, इसका खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, मैं पहले की तरह प्रमुख किरदार करना चाहती हूं।

मैं एक मजबूत किरदार निभाना चाहती हूं, जो दर्शकों के दिमाग पर छाप छोड़े। अवसर भरपूर हैं, लेकिन मेरे लिए अपने लिए चुने गए प्रोजेक्ट्स के बारे में चयनात्मक होना महत्वपूर्ण है।पूर्ति ने जलेबी, इंटरनेट वाला लव, लाइफ सही है, अशोक सम्राट और प्यार तूने क्या किया में काम किया है।

केजीएफ के निमार्ताओं ने अपनी मलयालम फिल्म धूमम का फर्स्ट लुक किया जारी

मेगा-ब्लॉकबस्टर केजीएफ के साथ इंडस्ट्री में एक अलग जगह बनाने के बाद, प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स फहद फासिल और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अपर्णा बालमुरली अभिनीत धूमम के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार है। मुहूर्त शॉट के साथ फिल्म की घोषणा के बाद, निमार्ताओं ने अब धूमम का पहला लुक जारी कर दिया है।

धूमम के फर्स्ट लुक पोस्टर को साझा करते हुए, होमेबल फिल्म्स ने फहद फासिल और अपर्णा बालमुरली की विशेषता वाले दिलचस्प और आकर्षक फर्स्ट लुक को साझा किया। उन्होंने कैप्शन दिया: आग के बिना कोई धुआं नहीं उठता, यह पहली चिंगारी है। पवन कुमार के निर्देशन में बनी धूमम मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में टायसन की घोषणा के बाद होम्बले फिल्म्स की ओर से दूसरी घोषणा है।

धूमम एक थ्रिलर फिल्म है, जो 4 भाषाओं में रिलीज होगी: मलयालम, कन्नड़, तमिल और तेलुगु। धूमम के अलावा, होम्बले फिल्म्स सलार और युवा जैसी अखिल भारतीय फिल्मों की ओर देख रही है।

कटी-फटी पेंट में कैद हुआ रिया चक्रवर्ती का बोल्ड अवतार, सोशल मीडिया पर वायल हुईं तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी बोल्ड और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया का पारा गर्म करती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी बेहद शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनकी फिटनेस देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। बी-टाउन की जानी-मानी एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों भले ही किसी फिल्म में नहीं दिखाई दे रही हों लेकिन वो आए दिन अपने बोल्ड फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। वो हमेशा सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हालांकि फैंस को भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही शानदार आउटफिट में नजर आ रही हैं। रिया चक्रवर्ती ने अपने इस फोटोशूट के दौरान कटी-फटी पेंट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है। एक्ट्रेस का इस लुक में कातिलाना अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उनकी हॉटनेस भी इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं। अभिनेत्री रिया ने इन तस्वीरों में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सिजलिंग पोज में तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए रोजाना वर्कआउट करती हैं और साथ ही बाहर का जंक फूड बिल्कुल नहीं खाती हैं। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट के जरिए अपना प्यार लूटाते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

चौपाल में 59 आवेदन प्राप्त हुए जिलाधीश ने तत्काल निराकरण का निर्देश दिया

गरियाबंद। जन चौपाल में 59 आवेदन प्राप्त हुए लोगों ने अपनी समस्याओं का समाधान की मांग जिलाधीश प्रभात मलिक से की।इस अवसर पर जिला के समस्त अधिकारी उपस्थित थे।दूर-दूर से पहुंचे ग्रामीणों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर जल्द समाधान की मांग की जिलाधीश ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण की कयँवाही की जाय साथ ही की गई कार्यवाही की प्रति उन्हें उपलब्ध कराएं।आज गरियाबंद जिला कार्यालय में जन चौपाल आयोजित था जिसके अंतर्गत 59 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से बेरोजगारी भत्ता पशु शेड निर्माण विधवा पेंशन और विवादित नामांतरण राशन कार्ड की मांग वन अधिकार पट्टा की मांग नामांतरण बंटवारा गली कंक्रीटीकरण मनरेगा भुगतान शाला के अतिरिक्त कमरा निर्माण के साथ ही अनेक मांगे प्रस्तुत की गई साथ ही कुछ शिकायतें भी की गई जिनके निराकरण जल्द करने की बात जिलाधीश प्रभात मलिक ने की है।इस अवसर पर विशेष रूप से अपर कलेक्टर अविनाश भाई श्रीमती रीता यादव गरियाबंद एसडीएम हितेश पिज्दा के साथ ही अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

कांग्रेस किसानों के हित में काम कर रही : रेखचंद जैन

जगदलपुर। संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों व आदिवासियों के हित में सतत कार्य कर रही है। धान खरीदी का न्यूनतम समर्थन मूल्य पूरे देश में सबसे अधिक छत्तीसगढ़ में है। मंगलवार को ब्लॉक के जीरागांव में संयुक्त वन प्रबंधन समिति मद से निर्मित होने वाले प्राथमिक शाला भवन के भूमिपूजन अवसर पर एकत्रित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होने यह बात कही। श्री जैन ने ग्रामीणों की मांग पर एक टैंकर प्रदाय करने की घोषणा भी की। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिरेन्द्र साहनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल भाजपा की सरकार थी लेकिन ग्रामीण इलाकों में बहुत कम विकास हुआ था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में अब काम की रफ्तार बढ़ी है जिसका असर लोगों के जीवन स्तर पर दिख रहा है।

सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य को जल्द पूर्ण करें - कलेक्टर

जगदलपुर। कलेक्टर चंदन कुमार ने कहा कि सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य को 30 अप्रैल तक पूर्ण किया जाना है इसके लिए विकासखंडों के बचे हुए ग्रामों में सर्वे कार्य को जल्द पूर्ण करें साथ ही जनपद पंचायत के अधिकारी सर्वेक्षण का सतत निरीक्षण करें। उक्त निर्देश मंगलवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए। कलेक्टर ने बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र हितग्राहियों द्वारा आवेदन बढ़ाने के लिए कालेजों में भी शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, वनमंडलाधिकारी डी पी साहू, अपर कलेक्टर हरेश मंडावी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिला खनिज विकास निधि, सीएसआर और बस्तर विकास प्राधिकरण मद से जिले में किए जा रहे विकास कार्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग के विभागीय मद से स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की उपयोगिता प्रमाण पत्र, पूर्णता प्रमाण पत्र और निरस्त के लिए प्रस्तावित कार्यों की भी जानकारी देने के निर्देश दिए। साथ ही विभागों को सम्बन्धित निर्माण कार्यों की दस्तावेज़ीकरण कार्य को भी दुरूस्त रखने कहा। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक के निर्माण कार्यों का जनपद स्तर पर लंबित निर्माण कार्य आवश्यक प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की।

छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में बड़ी उपलब्धि

भारत सरकार ने शहरी आवास योजना में उल्लेखनीय कार्य के लिए छत्तीसगढ़ को किया पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में छत्तीसगढ़ राज्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में बड़ी उपलब्धि हासिल की है । दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी ने छत्तीसगढ़ को आवास निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिये पुरस्कृत किया है ।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको), नई दिल्ली के 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर आवास निर्माण के क्षेत्र में अभिनव प्रयास एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ (State Urban Development Agency (स्डा) को सम्मानित तथा पुरस्कृत किया गया। दिल्ली में आयोजित इस समारोह में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ को दिया गया है, जिसे सूडा के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे द्वारा ग्रहण किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार सभी हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए तत्पर है ।

उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत सभी नगरीय निकायों में सभी के लिये आवास उपलब्ध कराने का कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है । वर्तमान में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा)द्वारा राज्य के समस्त 33 जिलों के सभी 170 नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सबके लिए आवास मिशन का क्रियान्वयन किया जा रहा है योजना अन्तर्गत अब तक 2 लाख 62 हजार से अधिक आवासों की स्वीकृति प्राप्त है, जिसमें अब तक 1 लाख 40 हजार घरों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, एवं शेष आवासों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सबके लिए आवास मिशन के क्रियान्वयन में अद्यतन लगभग 42 सौ करोड़ का व्यय किया जा चुका है। छ.ग. शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग योजना अन्तर्गत समस्त स्वीकृत हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रतिबद्ध है एवं इस हेतु योजना अन्तर्गत निरंतर कार्यरत है।

छत्तीसगढ़ की इन उपलब्धियों ने केंद्र सरकार से कराया पुरस्कृत

1. आबादी भूमि पर निवासरत परिवारों को आवास निर्माण हेतु अधिकार प्रमाण-पत्र का वितरण एवं आवासीय पट्टों का नवीनीकरण।
2. योजना में बन रहे समूह आवासों को शासन द्वारा रेरा पंजीयन में छूट प्रदान की गई।
3. शासन द्वारा निर्माणाधीन आवासों के पर्यवेक्षण हेतु ख्याति प्राप्त सलाहकार संस्थाओं एवं वास्तुविदों की नियुक्ति की गई।
4. मोर मकान-मोर आस - योजना में समूह आवासों के माध्यम से किराये में निवासरत शहरी गरीबों को योजना में शामिल करने का अभूतपूर्व निर्णय शासन द्वारा लिया गया। इससे शहरी क्षेत्रों के लगभग 25 से 30 हज़ार आवासहीन किरायेदारों को आवास प्रदान किया जा रहा है।
5. नक्सलीय गतिविधियों से प्रभावित परिवारों को लाभ - राज्य द्वारा नगर पंचायत, अंतागढ़ में नक्सलीय गतिविधियों से प्रभावित 80 परिवारों के हितग्राहियों को सर्वसुविधायुक्त पक्का आवास उपलब्ध कराया गया।

चिरायु ने लौटाई 90 विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों की मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग के तहत संचालित चिरायु योजना दूरस्थ अंचल के बच्चों के लिए संजीवनी का काम कर रही है। बच्चों के गंभीर बीमारी को चिन्हांकित करके उनके लिए इलाज की व्यवस्था करती है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बच्चों के ईलाज के लिए बड़े से बड़े अस्पताल में भेजा जाता हैं और प्रशासन ईलाज का पूरा खर्च वहन करता है। जिला प्रशासन और कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के प्रयास से 90 विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों को चिरायु योजना का लाभ मिला। मुख्यमंत्री हाटबाजार क्लिनिक योजना के तहत 6 हजार विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों का स्वास्थ्य परीक्षण करके नि:शुल्क दवाई दी गई है। चिरायु के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविन्द रात्रे ने बताया कि चिरायु योजना का लाभ देने के लिए बच्चों का चिरायु टीम द्वारा चिन्हांकन किया जाता है और बच्चों का पोर्टल में एंट्री की जाती है। गंभीर बिमारी से ग्रसित बच्चों को रायपुर के बड़े अस्पताल में सफल ऑपरेशन कराया जाता है। बच्चों के पालकों ने बताया कि सफल ऑपरेशन के बाद अब बच्चे स्वस्थ हैं। हंसते खिलखिलाते देखकर खुश होती और आंखें भर आती है। सभी पालकों ने

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को सफल ऑपरेशन के लिए धन्यवाद दिया है। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जिले में 15 चिरायु टीम काम कर रही है। प्रत्येक टीम अपने-अपने विकासखण्ड के आंगनबाड़ी और शासकीय स्कूलों का निरीक्षण माह में दो बार करती हैं। गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों का चिन्हांकन करके उनके इलाज की सुविधा उपलब्ध कराती है। डॉ. अरविन्द ने बताया कि जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति के बच्चों का सफल ऑपरेशन कराया गया है। इनमें होंट एवं तालु की विक्रति की 01 बच्चे, दंत रोग के 11 बच्चे, कान संक्रमण वाले 09 बच्चे, दृष्टि दोष के 13 बच्चे और अतिकुपोषित के 06 बच्चे, रक्तात्पता के 07 बच्चे सहित अन्य रोग के 14 बच्चों का सफल ईलाज कराया गया है।

बेरोजगारी भत्ता योजना का लाभ लेने जिले के 8162 शिक्षित बेरोजगारों ने किया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप एवं निर्देशानुसार राज्य शासन की महत्वाकांक्षी बेरोजगारी भत्ता योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु बालोद जिला प्रशासन द्वारा मुस्तैदी के साथ कार्य किया जा रहा है। जिससे की इस योजना का लाभ बालोद जिले के सभी पात्र शिक्षित बेरोजगारों को मिल सके। बालोद जिला प्रशासन द्वारा किए गए सार्थक प्रयासों का परिणाम है की इस योजना का लाभ लेने हेतु पूरे प्रदेश में अबतक बालोद जिले के सर्वाधिक शिक्षित बेरोजगारों ने ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि बालोद जिले के 8162 आवेदकों द्वारा संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण के वेब पोर्टल के माध्यम से अपना ऑनलाईन आवेदन कर चूके हैं। जिसमें से अब तक कुल 4512 पात्र आवेदकों को बेरोजगारी भत्ता हेतु स्वीकृति दी जा चुकी हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य में शुरू की गई इस बेरोजगारी भत्ता योजना के माध्यम से पूरे राज्य के साथ-साथ बालोद जिले के बेरोजगारों के लिए सुखद भविष्य की राह खुलने वाली है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस योजना के अंतर्गत जिले के सभी पात्र शिक्षित बेरोजगार युवकों को प्रतिमाह 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने के साथ-साथ उनके अभिरूचि के अनुसार कौशल विकास योजना से प्रशिक्षित कर उनके कौशल को और अधिक परिष्कृत एवं परिमार्जित किया जाएगा। जिससे वे हुनरमंद बनकर स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगे। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा बेरोजगार युवा-युवतियों को विभिन्न संस्थानों में रोजगार प्रदान करने हेतु सार्थक प्रयास भी किए जाएंगे। इस प्रकार यह योजना हमारे शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित करने हेतु अत्यंत कारगार एवं महत्वाकांक्षी योजना है। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बालोद जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्राथमिकता के साथ-साथ इस योजना के अंतर्गत बालोद जिले के अधिकाधिक शिक्षित बेरोजगारों को लाभ दिलाने हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। सत्यापन के दौरान आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर अपील के लिए भी अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिससे की जिले के शिक्षित बेरोजगार निर्धारित वांछित दस्तावेज प्रस्तुत कर इस योजना का लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री बघेल ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से की भेंट-मुलाकात

मुख्यमंत्री ने बिरगांव में ट्रांसपोर्ट नगर का डॉ. खूबचंद बघेल के नाम पर नामकरण और मूर्ति स्थापना के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात अभियान के तहत मंगलवार शाम रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बोरियाखुर्द में विभिन्न सामाजिक संगठनों से भेंट-मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ट्रांसपोर्ट नगर में डॉ. खूबचंद बघेल की मूर्ति स्थापना और नामकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस दौरान झिरिया साहू समाज के लिए बिरगांव में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए कर्मा माता की मूर्ति स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने झिरिया साहू समाज को जमीन आवंटित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। मुख्यमंत्री ने सिंधी समाज के भवन के लिए 20 लाख रूपए, क्षत्रिय समाज को भनपुरी में भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए, दलदल सिवनी में साहू समाज जमीन का मांग पर जमीन देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज की मांग पर उन्हें 7000 स्क्वेयर फिट जमीन देने एवं भवन की बाउंड्री वाल के निर्माण के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की।

सतनामी समाज उरला एवं सतनामी समाज मोवा की मांग पर जमीन आबंटन एवं बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति स्थापना के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सेन समाज की मांग पर धाम शेड निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं देवांगन समाज को जमीन आबंटन करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पटेल समाज को दलदल सिवनी में जमीन नाम होने के बाद राशि देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री को गाड़ा समाज ने बताया कि जमीन चिन्हित हो गई है, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने भवन बनाने के लिए राशि जमीन रजिस्ट्री के बाद देने का आश्वासन दिया। कायस्थ समाज एवं गुप्ता समाज की मांग पर जमीन देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने छात्र समृद्ध सिंह की मांग पर यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सेस में पढ़ाई के लिए 5 लाख रुपए देने के निर्देश दिए, वहीं छात्र सोनी साहू को सीए की पढ़ाई के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की। यादव समाज ने 10 प्रतिशत दर पर जमीन आबंटन के निर्देश के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। ब्राम्हण समाज के मित्र वाहिनी संगठन को सामुदायिक भवन के लिए 5000 स्क्वेयर फीट जमीन आबंटन की घोषणा की।

इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यनारायण शर्मा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अंकित आनंद, कमिश्नर रायपुर यशवंत कुमार, रायपुर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे, रायपुर पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव, पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने समावेशी विकास पर एकेएएम अभियान के एक भाग के रूप में '' पशुधन जागृति अभियान

उद्यमिता स्कीमों एवं द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाओं पर जागरुकता के लिए आकांक्षी जिलों में 2000 शिविरों का आयोजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के एक भाग के रूप में, पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने 24 अप्रैल, 2023 को समावेशी विकास पर अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम ''पशुधन जागृति अभियान का आयोजन किया।

आकांक्षी जिलों में, विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों विशेष रूप से उद्यमशीलता, टीकाकरण एवं अन्य लाभार्थी केंद्रित स्कीमों की जानकारी जन सेवा केंद्र नेटवर्क के माध्यम से 2000 ग्राम स्तरीय शिविरों का आयोजन करके प्रदान की गई। सीडीडी की अपर सचिव सुश्री वर्षा जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की।

उपस्थित व्यक्तियों को स्कीमों तथा पशु चिकित्सा सेवाओं के बारे में पूरी जानकारी दी गई, साथ ही सीएससी के माध्यम से ही स्कीम पोर्टल पर कैसे आवेदन करें, इसके बारे में भी बताया गया। लगभग एक लाख किसानों ने वर्चुअल रूप से जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया।

सुश्री जोशी ने कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ परस्पर बातचीत की। उनकी अंतर्दृष्टि तथा विशेषज्ञता ने किसानों को पशुपालन एवं डेयरी फार्मिंग के विभिन्न पहलुओं को बेहतर समझने में सहायता की। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा कि डीएएचडी की पुनर्गठित योजनाएं ग्रामीण उद्यमशीलता का सृजन करने में मदद कर रही हैं और कुक्कुट पालन, भेड़, बकरी, सुअर पालन, आहार और चारा सेक्टर में बेरोजगार युवकों तथा पशुपालक किसानों के लिए बेहतर आजीविका अवसरों का निर्माण कर रही हैं और इस प्रकार आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। इस कार्यक्रम की रूपरेखा पशुपालन एवं डेयरी फार्मिंग में नवीनतम प्रथाओं तथा तकनीकों की बेहतर समझ प्राप्त करने में किसानों की सहायता करने के लिए बनाई गई थी जिससे कि उनकी आजीविका में सुधार हो सके। योजनाओं के प्रभाव और सफलता को प्रस्तुतियों तथा वीडियो के माध्यम से समझाया गया।

खास-खबर

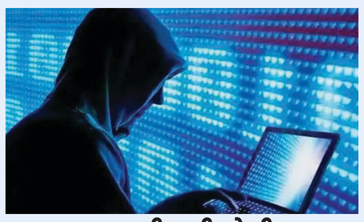

4.88 लाख की ठगी: टेलीग्राम चैनल में निवेश पर रकम देने का दिया झांसा

रायपुर (ए)। गुढियारी के एक कारोबारी से जालसाजों ने करीब 5 लाख की ऑनलाइन ठगी कर ली। कारोबारी को ठग का फोन आया कि टेलीग्राम एप के चैनल ग्रुप में जुड़ने पर पैसे मिलेंगे। कारोबारी उसमें जुड़ गए। कनेक्ट होने के बाद उन्हें अलग-अलग प्रोग्राम की जानकारी दी गई। उसमें पैसा लगाने पर मोटे कमीशन का झांसा दिया गया। कारोबारी ने अलग-अलग किश्त में पैसे निवेश कर दिए।

उन्होंने कुछ दिन इंतजार किया लेकिन खाते में पैसे नहीं आए। उन्होंने ठग को कॉल कर पैसे मांगे। उन्हें कहा गया कि फिर डेढ़ लाख टैक्स जमा करने पर पूरा पैसा वापस मिलेगा। कारोबारी को शक हो गया। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस में की। पुलिस ने ठगी का केस दर्ज कर लिया है। ठगों का कॉल डिटेल निकाला जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गुढियारी विकास नगर में चंद्रशेखर साहू का कारोबार है। उन्हें 4 अप्रैल को एचसीएल टेक्नोलॉजी कंपनी के नाम से फोन आया। उसने झांसा दिया किया उनकी कंपनी चेन मार्केटिंग का काम करती है। इसमें एप को डाउनलोड कर ग्रुप में जुड़ना होता है। उसमें दिए प्रोग्राम पर निवेश करने पर कमीशन मिलेगा। चंद्रशेखर ने थोड़े पैसे निवेश किए। उन्हें उन पैसों के बदले ज्यादा रकम मिली। उन्हें भरोसा हो गया कि कॉल करने वाले कंपनी वाले ही हैं। उसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे 4 लाख 88 हजार जमा कर दिए।

मोटर वाहन चेकिंग अभियान:49 वाहन चालकों से वसूला 16600 रुपए का जुर्माना

बालोद (ए)। डौंडी व राजहरा थाना क्षेत्र में विशेष मोटर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। 49 लापरवाह वाहन चालक के विरूद्ध कार्रवाई कर 16 हजार 600 रुपए जुर्माना वसूला गया। वहीं यातायात नियमों का पालन करने वाले चालकों को गुलाब फूल देकर सम्मानित किया गया। 21 वाहन के कागजात पेश नहीं करने, 10 बिना नंबर प्लेट, 7 तीन सवारी, 3 बिना लाइसेंस, 6 यातायात नियमों का पालन नहीं करना, 1 सीट बेल्ट एवं 1 प्रकरण प्रदूषण प्रमाण पत्र के बिना वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की गई। पुलिस नागरिकों से अपील की है कि वाहन चेकिंग में सहयोग करें। यातायात नियमों का पालन करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं। नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें।

प्लांट हादसे के बाद घायल मजदूरों से मिलने सेक्टर 9 अस्पताल पहुंचे विधायक देवेंद्र

मरीजों का जाना हालचाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में भीषण हादसा हो गया है। स्टील मेल्टिंग शॉप के कन्वर्टर में आग लगने की वजह से 4 मजदूर झुलस गए हैं जिन्हें सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर इस घटना की सूचना मिलते ही विधायक देवेंद्र यादव तत्काल सेक्टर 9 अस्पताल पहुंचे। मरीजों से मिले उनका हालचाल जाना। और फिर अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरो की टीम और सेक्टर 9 अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रवींद्र नाथ एम से मुलाकात किए।

मजदूरों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी और कहा कि जल्द से जल्द मरीजों का बेहतर से बेहतर इलाज किया जाए। इलाज में कोई कमी न हो। इसी के साथ ही विधायक ने मजदूरों के इलाज में कोई कमी ना हो इसके लिए जिला प्रशासन से भी चर्चा की। जिसके बाद सिविल सर्जन और सीएमएचओ जल्द अस्पताल आ कर मरोजो का हाल देखेंगे। विधायक यादव अस्पताल में पहुंचे घायलों के परिजनों से मिलकर उन्हें हौसला देते हुए कहा कि जल्द ही सब ठीक जो जाएगा। सेक्टर 9 के विशेषज्ञ डॉक्टर इलाज कर रहे है। उम्मीद है आगे सब ठीक होगा।

जानकारी के मुताबिक, दोपहर के वक्त स्टील मेल्टिंग शॉप में सभी मजदूर काम कर रहे थे। लगभग 3.30 बजे के करीब वहां कैपिटल रिपेयरिंग का काम चल रहा था। ठेका कर्मी पैनल में वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान वहां बड़ा विस्फोट हो गया। इससे काफी तेज आग अचानक निकली। आग इतनी तेज थी कि वहां काम करने वाले चार मजदूर उसकी चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। आग में झुलसे सभी मजदूर मारुति कंस्ट्रक्शन कंपनी के बताए जा रहे हैं। उनकी पहचान अमित सिंह, राजू तांडी, रमेश मौर्य और रमेश पवार के रूप में हुई है। आग लगने की सूचना मिलते ही बीएसपी की फायर ब्रिगेड और बचाव दल वहां पहुंचा। आनन फानन में घायल मजदूरों को प्रारंभिक उपचार के लिए मेन मेडिकल पोस्ट ले जाया गया। यहां से उन्हें सेक्टर 9 हॉस्पिटल रेफर किया गया। चारों को वहां बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है।

एक दिन पहले भी हुआ था बड़ा हादसा

इस दुर्घटना के लिए बीएसपी प्रबंधन को पूरी तरह से जिम्मेदार बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले सोमवार दोपहर बीएसपी के बिलेट मिल में फ्लाइंग शियर में डिस्मेंटल करने के दौरान काफी तेजी से चिंगारी फैली और वो वहां फैले आग और ग्रीस में लग गई थी। इससे वहां आग लग गई थी। इसके बाद तुरंत वहां दमकल बुलाई गई और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जिस समय वहां आग लगी सभी कर्मचारी खाना खाने गए थे, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। इससे बीएसपी प्रबंधन ने मामले को वहीं दबा दिया था।

वाईशेप ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार, दो की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वाई शेप ओवर ब्रिज पर मंगलवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने सामने चल रहे बाइक को ठोकर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्मृति नगर व मोहन नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार वाईशेप ओवर ब्रिज पर आज दोपहर डेढ़ बजे के करीब यह हादसा हुआ। वाईशेप ओवरब्रिज के बाइक सवार भिलाई की ओर उतर रहे थे। इस दौरान पीछे से ट्रक क्रमांक सीजी 08 एवी 8697 ने बाइक को ठोकर मार दी। टक्कर लगने से बाइक ट्रक के सामने हिस्से में फंस गया और कुछ दूर घिसटता रहा। बाइक में दो लोग सवार थे। बताया जा रहा है बाइक सवार पिता पुत्री थे जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक तेजी से उतरा और वहां से भाग गया। इधर सूचना के मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल मृतकों के नाम सामने नहीं आए है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सोलर पैनल-एलईडी लाइट का ठेका दिलाने का झांसा देकर 4.40 करोड़ की ठगी

रायपुर (ए)। गांव-गांव में सोलर पैनल, एलईडी लाइट, हाई मास्क समेत अन्य काम का ठेका दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपी शैलेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को एक मंत्री का रिश्तेदार बताकर लोगों को झांसा देता था। उन्हें सरकारी दफ्तर बुलाकर मुलाकात करता था। काम दिलाने के एवज में वह पैसा लेता था।

उसने एक दर्जन से ज्यादा लोगों से पैसा लिया है। कुछ लोगों को फर्जी टेंडर दिलाकर काम भी कराया है, लेकिन भुगतान नहीं किया है। प्रारंभिक जांच में 4.40 करोड़ का फर्जीवाड़ा सामने आया है। पुलिस ने बताया कि सड्डू अविनाश कैपिटल होम निवासी शैलेंद्र बघेल (39) खुद को एक मंत्री का रिश्तेदार बताता है।

उसने सोशल मीडिया पर कई बड़े नेताओं के साथ फोटो पोस्ट की है। इन्हीं फोटो को दिखाकर वह लोगों का झांसा देता था कि उसकी मंत्री, नेताओं और अधिकारियों से अच्छी पहचान है। वह कई सरकारी विभाग में काम दिला सकता है। उसने सोलर पैनल, एलईडी लाइट, हाई मास्क, सोलर एनर्जी का ठेका दिलाने का झांसा दिया। सुदंर नगर के सुशील शर्मा से 4.40 करोड़ रुपए लिए। पैसे लेने के बाद वह उन्हें गुमराह करने लगा। आरोपी ने कोई काम नहीं दिलाया। पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ आधा दर्जन शिकायत आई है। उसकी जांच की जा रही है। आरोपी ने कई ठेकेदार और कारोबारियों से पैसा लिया है।

आरोपी का खाता फ्रीज

पुलिस ने आरोपी का खाता फ्रीज कर लिया है। उसके ट्रांजेक्शन का डिटेल निकाला जा रहा है। उसके मोबाइल की जांच करने के लिए साइबर सेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने ठगी के पैसे से प्रॉपर्टी खरीदी है। उसने जमीन पर पैसा लगाया है। पुलिस उसकी प्रॉपर्टी की जानकारी निकाल रही है। पुलिस को शक है कि इसमें सरकारी कर्मचारियों की सांठगांठ हो सकती है, जिनके साथ मिलकर वह ठगी करता था। इसमें कुछ लोगों और गिरफ्तारी हो सकती है।

पाउडर से आभूषण चमकाने का झांसा देकर सोने के जेवरात ले भागे 2 युवक

बालोद (ए)। दल्लीराजहरा के वार्ड 26 में पाउडर से आभूषण चमकाने का झांसा देकर दो आरोपी सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। प्रार्थी गीता सिंग ने पुलिस को जानकारी दी है कि 23 अप्रैल को सुबह 10.30 बजे घर में 25 से 26 साल के दो अज्ञात व्यक्ति पहुंचे। दोनों ने बताया कि उजाला कंपनी से सोना-चांदी के जेवरात को चमकाने का पावडर लाए हैं। जिसके प्रचार-प्रसार करने पहुंचे हैं। पाउडर का प्रयोग कैसे करते हैं, यह बताने के लिए सोने के जेवरात और हल्दी पाउडर मंगवाया।

जिसके बाद सोने की दो चैन व एक ईयर रिंग, दो लॉकेट को लाकर दिया। दोनों ने पाउडर को एक स्टील टिफिन में घोल कर जेवरात को डुबाया। कुछ देर बाद अंदर ले जाकर गर्म करने से सोना साफ हो जाएगा कहकर टिफिन का ढक्कन बंद कर मुझे दिया।

अंदर जाकर जब टिफिन को चेक किया तो सोने के जेवरात गायब थे। घर के बाहर पहुंची तो दोनों व्यक्ति फरार हो गए थे। आसपास पता करने पर कोई सुराग नहीं मिला। जेवरात की अनुमानित कीमत 20 हजार 80 रुपए है। दल्लीराजहरा थाने में अज्ञात दो आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

ऐसे मामले गुंडरदेही व झलमला में भी आ चुके हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों को अलर्ट रहने की अपील की गई है। 8 सितंबर को ग्राम झलमला में सोने के आभूषण को चमकाने के बहाने दो अज्ञात आरोपी महिला के 56 हजार के जेवरात लेकर फरार हो गए थे। इस मामले में बालोद थाने में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है लेकिन अब तक जांच चल रही है। किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

टेस्ट ड्राइव के नाम पर स्पोर्ट्स बाइक लेकर भागा, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर में टेस्ट ड्राइव के नाम पर स्पोर्ट्स बाइक लेकर फरार हो जाने वाले आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 12 अप्रैल का है, जब तेलीबांधा थाने के सामने आोरपी ने पहले तो टेस्ट ड्राइवर का वीडियो बनवाया, फिर अपना मोबाइल बाइक मालिक के पास ही छोड़कर फरार हो गया।

बाइक लेकर फरार होने का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। जिसके बाद तेलीबांधा पुलिस ने साइबर टीम की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपी रंजीत सोनी बाइक मालिक हिमांचल भगत को चकमा देकर रायगढ़ भाग गया था। पीड़ित हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी का छात्र है, जिसने अपनी बाइक बेचने के लिए ओएलएक्स पर विज्ञापन डाला था। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर उसकी घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से बाइक बरामद कर ली गई है।

नवा रायपुर के सेक्टर- 17 में रहने वाले हिमांचल भगत ने बताया कि उसने ओएलएक्स पर अपनी स्पोर्ट्स बाइक बेचने के लिए विज्ञापन डाला था। सप्ताह भर पहले आरोपी ने उसे बाइक खरीदने के लिए मैसेज किया और अपना नंबर भी शेयर किया। दोनों की बात हुई और आरोपी ने उसे 12 अप्रैल को दोपहर करीब 12 बजे अपनी बाइक दिखाने के लिए कहा। इस पर दोनों ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जब आरोपी युवक ने बाइक टेस्ट ड्राइव के लिए मांगी, तो हिमांचल ने इनकार कर दिया। मगर आरोपी ने अपने मोबाइल में दूसरे टेस्ट ड्राइव का वीडियो दिखाकर उसे राजी कर लिया।

इसके बाद दोनों तेलीबांधा थाने के ठीक सामने पहुंचे। जहां आरोपी ने हिमांचल को अपना मोबाइल देते हुए टेस्ट ड्राइव का वीडियो बनाने को कहा। एक से दो राउंड बाइक चलाने के बाद वह आंखों से ओझल हो गया। फिर आरोपी ना अपना मोबाइल लेने लौटा और ना बाइक खरीदने या वापस करने। कुछ घंटे इंतजार करने के बाद हिमांचल ने उसकी शिकायत तेलीबांधा थाने में दर्ज कराई और पुलिस को आरोपी का मोबाइल सौंप दिया। हिमांचल ने जो वीडियो आरोपी के मोबाइल से बनाया है, उसी के आधार पर पुलिस आरोपी की शिनाख्त की। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी रंजीत सोनी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या: पति के साथ रोज-रोज के झगड़ों से रहती थी तनाव में

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के कुसमुंडा थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका गौतमी पनागर (27 वर्ष) ने सोमवार रात फांसी लगाई थी, लेकिन मायके वालों ने पुलिस से कहा था कि जब तक वे न आएं, तब तक शव को फंदे से नहीं उतारा जाए। जिसके बाद मंगलवार को मृतका के मायके वालों के आ जाने के बाद उसके शव को फांसी के फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया।

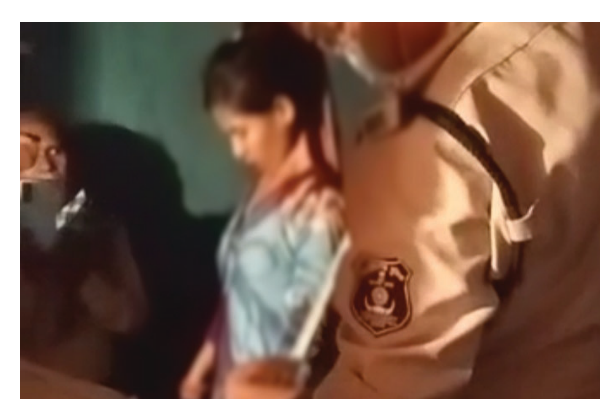

जानकारी के मुताबिक, मृतका गौतमी पनागर का मायका कवर्धा में है। उसकी शादी कुसमुंडा थाना क्षेत्र के इमली छापर बस्ती में रहने वाले विक्की लांझी के साथ 4 साल पहले हुई थी। विवाह के बाद 6 महीने तक तो पति-पत्नी के बीच सबकुछ ठीक रहा, लेकिन इसके बाद दोनों के बीच पारिवारिक कारणों से विवाद होने लगा।

रोज-रोज के झगड़ों से तंग आकर गौतमी अपने मायके कवर्धा चली आई। कुछ महीने पहले पारिवारिक और सामाजिक बैठक के बाद दोनों पति-पत्नी के बीच सुलह करवाई गई। इसके बाद गौतमी कवर्धा से अपने ससुराल कुसमुंडा लौट गई। कुछ दिनों तक तो पति-पत्नी के बीच सबकुछ ठीक रहा, लेकिन बाद में फिर विवाद होने लगा। दोनों आपस में ठीक से बातचीत भी नहीं करते थे। इन सबसे गौतमी काफी तनाव में रहती थी। सोमवार रात उसने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता मंगलवार को चला। जिसके बाद कुसमुंडा थाने और मायके वालों को सूचना दी गई। मौके पर कुसमुंडा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ पहुंचे। मृतका के पिता ने कहा कि जब तक वे वहां नहीं आएं, शव से फंदे से नहीं उतारा जाए। पुलिस टीम ने मायके वालों का इंतजार किया और उनके पहुंचने पर दीपका तहसीलदार की मौजूदगी में शव को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए कोरबा जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। वहीं मायके वालों ने दामाद पर बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

हमेशा रेखांकित होता रहेगा वरिष्ठ कर्मियों का योगदान:परगनिहा

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों की सहकारी संस्था बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने माह मार्च 2023 में सेवानिवृत्त अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। सोसाइटी में हुए एक कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक परगनिहा व समस्त पदाधिकारियों ने 1986 से 2001 के बीच बीएसपी की सेवा से जुड़े इन कर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर विदाई दी । इन रिटायर कर्मियों में रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से प्रेमलाल गिलहरे, स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से विनोद कुमार, विनोद कुमार राजा, ब्लास्ट फर्नेस से प्रहलाद कुमार साहू, लोकप्रकाश धोटे, जीएडी से रामनाथ यादव, वायर रॉड मिल से बेनीराम बघेल वाटर मैनेजमेंट से कुलदीप प्रताप अंब्रेला, प्लेट मिल से अखलाक अहमद, स्टोर्स से बीआर देशमुख, ईआरएस से पीवीएसएस शास्त्री, कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से अर्जुन सिंह कोरेटी, आरटीएनआर शॉप से हरीश गुहे, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गनाइजेशन से धर्मेंद्र कुमार साहू, योगेंद्र सिंह, मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शॉप-2 से खोरबाहरा राम ठाकुर, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से जवाहर लाल मिश्रा, रिफ्रैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग-1 से कुदरत दास, कैपिटल हैवी मेंटनेंस-4 से एके इंगावले, वाटर मैनेजमेंट से के. पापा राव शामिल हैं। इन कर्मियों ने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए अपना सेवाकाल याद किया। समारोह में रिटायर सदस्यों की दीर्घ सेवा का सम्मान करते हुए अध्यक्ष अशोक परगनिहा ने कहा कि सेवानिवृत्त हो चुके इन कर्मियों से संबंध हमेशा जीवंत बना रहेगा और भिलाई स्टील प्लांट व हमारी सोसाइटी को ऊंचाईयां देने में इन सभी का योगदान रेखांकित होता रहेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अशोक राठौर,आसमां परवीन, संचालक मंडल सदस्यगण विपिन बंछोर, पुरुषोत्तम सिंह कंवर, पूरनलाल देवांगन, जानकी राव, सतानंद चंद्राकर,शशिभूषण सिंह, नितिशा साहू और वेद प्रकाश सूर्यवंशी और सोसायटी के कर्मियों में पीयुष कर , सुदीप बनर्जी, नारायण साहू, सुरेश कुमार व कमल बोस सहित अन्य लोग उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन विपिन बंछोर ने किया।

शशि ने छत्तीसगढ़ के शैलचित्रों पर किया शोध, मिली पीएचडी

भिलाई। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से शशि प्रिया क्षत्रिय को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। शशि ने छत्तीसगढ़ में पाए जाने वाले ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व के शैलचित्रों और भित्ति पर अपना शोध दृश्य कला विभाग के डॉ विकास चंद्रा के मार्गदर्शन में पूरा किया है। शशि, अंचल के प्रख्यात लोकलावाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय की सुपुत्री हैं।

नाटक मंचन से होगी इप्टा के बाल नाट्य शिविर की शुरुआत

भिलाई। क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र के सहयोग से ग्रीष्मकालीन बाल एवं तरुण नाट्य शिविर 1 मई से 25 मई के बीच नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर 1 मैं होगा। इसका रंगारंग समापन 25 एवं 26 मई को को नेहरू सांस्कृतिक भवन के मुख्य सभागार में होगा। भिलाई इप्टा का 25 वां नाट्य शिविर है इसलिए इस शिविर में स्थानीय प्रशिक्षकों के अलावा भिलाई के बाहर से भी प्रशिक्षक बुलाए जाएंगे। जो बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व निखार के लिए उन्हें ड्राइंग पेंटिंग, कार्टून , चित्रकला अभिनय, नृत्य एवं गायन में प्रशिक्षित करेंगे।

श्री एकांतेश्वर महादेव की कथा सुनने उमड़ी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

भाग्य लिखना देवताओं का काम है लेकिन भाग्य बदलना महादेव का काम है : पंडित प्रदीप मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई नगर। जयंती स्टेडियम भिलाई में जीवन आनंद फाउन्डेशन एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री एकान्तेश्वर शिव महापुराण कथा के पहले दिन भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में भक्त अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल हुए और भगवान शिवजी के प्रति अपनी आस्था एवं भक्ति का विराट रूप दिखाया। पूरा भिलाई बोल बम का नारा है भोलेनाथ हमारा है के नारों से गूंजने लगा। भक्तों में कथा सुनने को लेकर इतनी आतुरता थी की मंडप सजने के पहले ही भक्तजन दो- तीन दिन पूर्व ही कथा पंडाल में पहुंचकर वहां इंतजार करने लगे। जयंती स्टेडियम में कथा आज दोपहर 2 बजे से शुरू हुई लेकिन रात से ही लोग यहां डेरा जमाए बैठे थे।

प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय और जीवन आनंद फाउन्डेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह द्वारा कथास्थल पर पंडित प्रदीप मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा ने सम्पूर्ण विश्व को कुछ न कुछ दिया है इसलिए पूरे भारत की नजर छत्तीसगढ़ पर रहती है। भिलाई ने इस्पात संयंत्र के माध्यम से देश की बड़ी बड़ी इमारतों को एक मजबूत आधार देने के साथ साथ देश के विकास एवं प्रगति में भी अतुलनीय योगदान दिया है एक मजबूत नींव दी है। ऐसे पुण्यभूमि में प्रेमप्रकाश पाण्डेय और विनोद सिंह द्वारा शिव महापुराण का आयोजन किया गया यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने आगे कहा कि प्रेमप्रकाश पाण्डेय हमेशा सनातन धर्म की रक्षा, उसके संरक्षण एवं प्रसार के लिए अग्रणी रहते हैं। सनातन ध्वज को आगे बढ़ाने का उनका योगदान बहुमूल्य है। मैं प्रार्थना करता हूँ की वे ऐसे ही सनातन धर्म व संस्कृति के प्रसार के लिए अग्रणी रहें और अपने जीवन को सार्थक बनाएं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ की पहली कथा है जिसमें कथा का पंडाल नहीं लग पाया था और भक्त कथा पंडाल में आकर बैठ गए थे। कितनी श्रद्धा कितना विश्वास और कितनी दृढ़ता है भक्तों में की भोलेनाथ की कथा सुनने के लिए उनके अंदर इतनी उत्सुकता है। पं. प्रदीप मिश्रा ने अपनी कथा में अंधविश्वास पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तुम्हें उतना ही मिलेगा, जितना तुम्हारे भाग्य में मिला है। कोई भी बाबा कोई तुम्हें गड़ा धन नहीं दिला सकता। केवल एक ही बाबा हैं जो तुम्हारा भाग्य बदल सकते हैं और वो हैं बाबा भोलेनाथ। उन्हें मनाने के लिए तुम्हें कोई महान जतन करने की जरूरत नहीं है। बस एक लोटा जल और हर समस्या का हल। यानी बाबा के शिवलिंग पर एक लोटा जल अर्पित कर दो, तुम्हारी सारी समस्याओं का समाधान भी हो जाएगा और सारी मनोकामनाएं भी पूरी हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति तुम्हें साधु-संन्यासी बनने के लिए कहता है तो उन्हें कहना, मुझे माफ करो। तुम ही बन जाओ।

भगवान शंकर ने अर्धनारीश्वर रूप लेकर यही संदेश दिया है कि महिला और पुरुष बनो और परिवार बनाओ। परिवार का सही तरह से पालन-पोषण करो। परिवार को खुश रखा तो जीवन भी सुखमय बन जाएगा। कथा के दौरान पत्र के माध्यम से राजनांदगांव जिले की एक दंपति ने बताया की उन्हें संतान की प्राप्ति नहीं हो रही थी। तमाम बड़े बड़े डॉक्टर से उपचार कराने के बाद भी जब संतान की प्राप्ति नही हुई। तब उन्होंने शिव महापुराण की कथा सुनकर पशुपति नाथ जी का व्रत रखना प्रारम्भ किया। एक दिन उस दंपत्ति को अचानक सीहोर जाने की इच्छा जाग्रत हुई और सीहोर जाकर वो कथा में सम्मिलित हुए। 17 वर्षों के बाद उन्हें संतान की प्राप्ति हुई। उन्होंने एकान्तेश्वर महादेव जी की पूजा एवं कथा श्रवण का महत्व बताते हुए कहा कि एकांत में रखे हुए शिवलिंग की पूजा से आयु बढ़ती है। बीमारी से बचाती हैं, जीवन मे वैभव और लक्ष्मी की कृपा को बढ़ाती है और घर परिवार में सुख-समृद्धि का संचार करती है।पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि रायपुर बजरंग नगर के निवासी प्रदीप शर्मा ने पत्र में लिखा था कि उनकी धर्मपत्नी सीमा शर्मा को पेट मे 2 बार हार्निया की समस्या हुई, किंतु उनके पास उपचार के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने शिवलिंग पर 1 लोटा जल चढ़ाकर उसका आचमन करना प्रारम्भ कर दिया। उन्होंने शिव जी से प्रार्थना की अगर उनकी पत्नी स्वस्थ हो जाती हैं तो वे जहां भी कथा होगी तो पैदल कथा सुनने जाएंगे। बाबा भोलेनाथ की कृपा से उनकी पत्नी स्वस्थ हुई और वो रायपुर से पैदल भिलाई शिवमहापुराण कथा सुनने पहुँचे। प्रदीप मिश्रा जी ने एकांतेश्वर महादेव के कथा वाचन के दौरान कहा कि भाग्य लिखने वाले देवता हैं, लेकिन भाग्य बदलने वाले महादेव हैं। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने आयोजन की अच्छी व्यवस्था पर स्थानीय प्रशासन की भी प्रशंसा की।

तपती गर्मी में भी भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धालुओं की सेवा के लिए डटे रहे स्वयंसेवक

तपती धूप में भी पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव महापुराण सुनने के लिए भक्तों का ताँता लगा रहा। कथा स्थल में बने पंडाल के बाहर से लेकर आस-पास के जगहों में सड़कों पर भी भक्तों ने कड़ी धूप में भी उनकी कथा सुनने के लिए अडिग दिखाई दिए। इस दौरान स्वयंसेवक कथा सुनने पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तत्पर रहे, पेयजल, पार्किंग सहित सभी की व्यवस्था का संचालन सुचारू रूप से कराते रहे। इसके साथ ही सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से पंडाल में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है और चिकित्सकों की टीम भी यहां स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उपलब्ध रही।

जगह-जगह लगाई एलईडी स्क्रीन

शिव महापुराण कथा सुनने छत्तीसगढ़ के लगभग सभी जिलों एवं अन्य राज्यों से भी लाखों की संख्या में भक्त भिलाई पहुंचे हैं। दूर-दराज से पं. मिश्र की कथा सुनने आए श्रद्धालुओं को कथा सुनने में परेशानी न हो, इसलिए आयोजन समिति द्वारा जगह-जगह एलईडी स्क्रीन लगवाई गई है, ताकि जो पंडाल में प्रवेश न कर पाएं वे बाहर से ही सीधा प्रसारण देख सकें। साथ ही बड़े-बड़े लाउड स्पीकर्स भी लगाए गए थे। भक्तजनों ने इसी व्यवस्था के साथ कथा का आनंद उठाया।

लुटा दिया भंडार काशीवाले ने, भजन पर झूम उठे लोग

शिव महापुराण कथा के दौरान भक्तों में अपार उर्जा दिखाई दी। महादेव के प्रति उनकी आस्था 43 डिग्री तापमान में भी कम नहीं होने दी। जैसे ही पंडित प्रदीप मिश्रा ने लुटा दिया भंडार काशीवाले ने, कर दिया मालामाल कशीवाले ने भजन का गान किया लाखों की संख्या में उमड़े भक्त झूम उठे। आनंदमयी इस अवसर पर अपने-अपने स्थान पर भक्त खड़े होकर झुमने लगे और भजन गुनगुनाने लगे।

वैशाली नगर क्षेत्र में सड़कों का हो रहा है डामरीकरण, खस्ताहाल सड़क से मिलेगी निजात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत वैशाली नगर जोन क्षेत्र में कई सड़कों का डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा की गई घोषणाओं पर अमल करते हुए सड़कों के डामरीकरण का काम भिलाई निगम क्षेत्र में शीघ्रता से किया जा रहा है। इसी तारतम्य में लगभग एक करोड़ की लागत से वैशाली नगर क्षेत्र के इंदिरा चौक से गौरव पथ तक, वैशाली नगर जोन कार्यालय के चारों तरफकी सड़क, भगत सिंह चौक से गौरव पथ तक की सड़क तथा भगत चौक से हनुमान मंदिर तक की सड़क का डामरीकरण हो रहा है।

इनमें से ज्यादातर सड़कों के डामरीकरण का प्रथम लेयर का काम पूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही द्वितीय लेयर का काम प्रारंभ होगा। लगभग 2 किलोमीटर की यह सड़कें आवागमन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सड़कों की हालत काफी खराब हो चुकी थी, आवागमन में लोगों को दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता था जिसको देखते हुए महापौर नीरज पाल ने इन सड़कों को दुरुस्त करने का फैसला लेकर इनके डामरीकरण कार्य को करने अधिकारियों को निर्देशित किए। जिसके चलते सड़कों का डामरीकरण का कार्य प्रारंभ हो चुका है कुछ ही दिनों में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा और लोगों को आने जाने में और असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बारिश और रात के समय में भी लोग आसानी से आवागमन कर पाएंगे। वही प्रमुख सड़क होने के कारण गंतव्य की ओर जाने में भी समस्या नहीं होगी। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने शीघ्र ही सड़कों के डामरीकरण कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं, उन्होंने गुणवत्ता का भी ध्यान रखने कहा है। जिसके चलते भिलाई में सड़कों की स्थितियों को सुधारने का काम निगम प्रशासन के द्वारा तेजी किया जा रहा है।

जेएलएन अस्पताल में नए उपकरणों की स्थापना और सुविधाओं का उन्नयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के साथ-साथ संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में इलाज कराने वाले निजी नागरिकों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। कोविड-19 महामारी के बाद सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के साथ कार्डियक कैथ लैब को फिर से शुरू किया गया है, जिसके बाद एंजियोग्राफी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई है।

साथ ही पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान जेएलएन अस्पताल में नए और आधुनिक उपचारात्मक उपकरणों का अधिग्रहण और स्थापना की गई है। वदित हो कि भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र को एनएबीएच-क्यूसीआई इंडिया द्वारा एनएबीएच एंट्री लेवल रिन्यूअल सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है, जो चिकित्सकीय देखभाल के संबंध में गुणवत्ता और सुरक्षा प्रचलन को प्रमाणित करता है।

गंभीर रूप से जले हुए रोगियों की शीघ्र रिकवरी के लिए बर्न यूनिट की उपचार सुविधा में स्किन बैंकिंग को जोड़ा गया है। स्किन बैंकिंग के लिए शेकिंग इनक्यूबेटरए आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर, बायो-सेफ्टी कैबिनेट सहित नए उपकरण खरीदे गए। इस बीच स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) रायपुर के डॉक्टरों की एक टीम ने जेएनएल चिकित्सालय के स्किन बैंक का निरीक्षण किया और पांच साल की वैधता के साथ लाइसेंस जारी किया। जेएलएन अस्पताल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में सिंगल फोटोन एमिशन टोमोग्राफी (एसपीईसीटी) मशीन के सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करने के साथ ही वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कई नए उपकरण भी लगाए गए हैं। डायग्नोस्टिक हिस्टोपैथोलॉजी में उपयोग किए जाने वाले जमे हुए (फ्रीज्ड) ऊतकों (टिस्यू) की तैयारी के लिए हिस्टोपैथोलॉजी विभाग को क्रायोस्टैट (एसएलईई) से लैस किया गया है, जहां सर्जिकल बायोप्सी का ऑपरेटिंग रूम में जल्दी से मूल्यांकन किया जा सके। फिजियोथेरेपी विभाग को नए माइक्रो वेव डायथर्मी इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडिएटरए लार्ज फील्ड रेडिएटरए बीटीएल 6000 एमवी से लैस किया गया है। मेन आईसीयू, एनआईसीयू और मेन ओटी (ऑपरेशन थेटर) में तीन पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनें लगाई गई हैं। ईएनटी और लेबर रूम ओटी में इनबिल्ट कैमरा सिस्टम के साथ सीलिंग माउंटेड डबल डोर एलईडी ओटी लाइट्स लगाई गई हैं।

इसके अलावा लेबर रूम और प्रसूति एवं स्त्री रोग ओटी में पांच मल्टी पैरा मॉनिटर, चार नई डिलीवरी टेबल और एक ओटी टेबल लगाई गई है। बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए नवजात आईसीयू (एनआईसीयू) का जीर्णोद्धार किया गया था, जिसमें मां के लिए विशेष सुविधा के साथ कमरे की व्यवस्था की गई है। शवगृह (मोर्चरी यूनिट) में दो मशीनें मंगवाई गई हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 6 शव रखने की है। नई मशीनों में डेटा लॉगर के साथ तापमान डिस्प्ले आदि सुविधा हैं, जहां संबंधित अधिकारियों द्वारा दूर से ही डेटा और अन्य मापदंडों की निगरानी की जा सकती है।

आरोग्यम अस्पताल को किडनी प्रत्यारोपण के लिए हरी झण्डी अंगदान से जुड़ी जांच व सर्जरी की सभी सुविधाएं उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आरोग्यम मल्टी स्पेशाशालिटी हॉस्पिटल में अब किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध हो गई है। यह अंचल का सबसे बड़ा केन्द्र है जहां यूरोलॉजी (मूत्र संस्थान) एवं नेफ्रोलॉजी (गुर्दा रोग विभाग) की सुपरस्पेशालिटी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ में कैडेवर आर्गन ट्रांसप्लांट को पिछले साल ही अनुमति दे दी गई थी। इसके बाद ब्रेनडेड मरीजों के अंगों का प्रत्यारोपण भी राज्य में संभव हो गया है। अस्पताल में अंगदान से जुड़ी जांच एवं सर्जरी की सभी सुविधाएं मौजूद हैं।

आरोग्यम के यूरोलॉजिस्ट डॉ. नवीन राम दारूका एवं नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ आरके साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में किडनी रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। छोटे छोटे बच्चे भी किडनी की असाध्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को एक स्वस्थ और सामान्य जीवन देने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट की एकमात्र उपाय होता है।

किडनी जीवित डोनर भी दे सकता है जिसे लाइव डोनर कहते हैं। किडनी ब्रेनडेड मरीज भी दे सकते हैं जिसे कैडेवरिक डोनर कहते हैं।

डॉ. नवीन राम दारूका ने बताया कि देश में हर साल किडनी के 2 लाख डोनर की जरूरत है, लेकिन दानदाता 10 से 15 हजार ही मिलते हैं। 80 हजार से अधिक लीवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है। लेकिन केवल 700 से 800 डोनर ही मिल पाते हैं। आर्गन ट्रांसप्लांट को संभव बनाने के लिए जन-जागरूकता की भी जरूरत है। राज्य में 500 से अधिक मरीजों को अंगदान की जरूरत है। अंग नहीं मिलने के कारण औसतन 7 मरीजों की प्रतिदिन मृत्यु हो रही है।

दो तरह के होते हैं डोनर

आर्गन डोनर दो तरह के होते हैं। ब्रेन डेड मरीजों के अंग उनके स्वजनों की अनुमति के बाद जरूरतमंद लोगों को दिए जाते हैं। इसमें उनके शरीर से जरूरी अंग निकाल लिए जाते हैं। इसे कैडेवरिक डोनर कहते है। वहीं लाइव डोनर वह होता है जो अपने परिवार के सदस्यों के लिए स्वेच्छा से अंगदान करता है। 18 से 60 वर्ष की आयु के स्वस्थ व्यक्ति ही अंगदान कर सकते हैं।

एक ब्रेन डेड मरीज दे सकता 12 को नया जीवन

ब्रेन डेड डोनर के शरीर से 12 अंग दूसरे मरीजों को लगाने के काम आ सकते हैं। इसमें 2 किडनी, 2 कार्निया, लंग्स, ब्लड वेसल्स, मसल्स और लिगामेंट, कर्टिलेजस, हार्ट वॉल्व, लीवर, बोनमेरो, स्किन और पैंक्रियाज शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ब्रेन डेड अंग प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने के साथ ही 23 से अधिक मरीजों ने अंग प्रत्यारोपण के लिए पंजीयन करा लिया था। अब यह संख्या और बढ़ चुकी है। इनमें से तीन मरीजों को लिवर व 20 मरीजों को किडनी की जरूरत है।

शिविर लगाकर छूटे हुए लोगों का बनाया जाएगा आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। जहां शहर के छूटे हुए हितग्राहीयों का वार्डो में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर 26 अप्रेल को शिविर लगाया गया है। गौरतलब है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने आयुष्मान कार्ड गत वर्ष बनाया गया था। इसमें से कुछ लोग इससे वंचित हो गए हैं।

इसे नगर निगम द्वारा गंभीरता से लेते हुए पूरे 60 वार्डो में आयुष्मान कार्ड का शिविर लगाया जा रहा है। जहां छूटे हुए लोगों का कार्ड बनाया जाएगा।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर आपके द्वार आयुषमान अभियान का संचालन किया जा रहा है।इस क्रम में कल दिनाँक 26 अप्रैल 2023 बुधवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक वार्ड क्रमांक 8:00 तकिया पारा स्थित मुस्लिम सराय हॉल, वार्ड क्रमांक 14 सिकोला भाठा,राम नगर स्थित श्रीराम चौक एवं वार्ड क्रमांक 57 उरला पश्चिम सँगम चौक के पास शिविर लगाकर आयुषमान कार्ड बनाया जाएगा। उक्त अभियान के दौरान वार्ड स्तर पर शेष हितग्राहियो का आयुषमान कार्ड मेडिकल मोबइल यूनिट जो आपके घर वार्ड के नजदीक शिविर में भी बनवा सकते है।राज्य शासन के इस महत्वपूर्ण योजना के तहत बन रहे आयुष्मान कार्ड के जरिए चिन्हांकित निजी अस्पतालों में भी पांच लाख रुपये तक मुफ्त में उपचार होगा।

शिविर में राशन कार्ड के साथ कोई भी एक पहचान पत्र ले जाकर यह कार्ड बनवाया जा सकता है। इसके लिए महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शहरवासियो से अपील के सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर लाभ लेने अपील किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950